वैशाख कृष्ण पक्ष द्वादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 299 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
27 अप्रैल 2025 रविवार

आज का मौसम
38 अधिकतम
22 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव: आईटी कंपनियों का जमावड़ा

इंदौर में आईटी पार्क समेत कई प्रोजेक्ट का भूमिपूजन करेंगे सीएम

भोपाल/इंदौर,दोपहर मेट्रो। मप्र को अब टेक्नोलॉजी और डिजिटल नवाचार केन्द्र बनाने के उद्देश्य से इंदौर में शाम को 'एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव' की गहमागहमी है। इसकार शुभारंभ मुख्यमंत्री मोहन यादव 'ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर' में करेंगे। यह आयोजन राज्य के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का ये कॉन्क्लेव आयोजन जीआईएस-भोपाल में आए निवेश प्रस्तावों को मूर्त रूप देने का महत्वपूर्ण प्रयास है। 'मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई है कि कॉन्क्लेव देश-दुनिया के टेक दिग्गजों के लिए निवेश का स्वर्णिम अवसर सिद्ध होगा।

बताया जाता है कि एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव' प्रदेश का पहला पूर्णतः सेक्टर आधारित टेक-कॉन्क्लेव है जो हाल में जीआईएस-भोपाल में आए निवेश प्रस्तावों को धरातल पर साकार करने का मंच बनेगा। कार्यक्रम में गूगल,माइक्रोसाफ्ट जैसी कई बिग-टेक कंपनियों सहित 300 से अधिक तकनीकी विशेषज्ञ, उद्योगपति, नीति निर्माता और निवेशक शामिल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री इस अवसर पर चार नई तकनीकी नीतियों-जीसीसी नीति, ड्रोन नीति, सेमीकंडक्टर नीति एवं AVGC-XR नीति की गाइडलाइन्स जारी करेंगे तथा नए आईटी पार्क, स्किल डेवलपमेंट सेंटर्स और स्टार्ट-अप इन्क्युबेटरों का भूमि पूजन करेंगे। कॉन्क्लेव में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' और इन्क्यूबेशन हब का भी शुभारंभ होगा। सीएम ऐसे ही प्रमुख निवेशकों के साथ एमओयू और आवंटन-पत्रों पर हस्ताक्षर करेंगे और इंवेस्टमेंट फैसिलिटेशन पोर्टल का शुभारंभ करेंगे। इस पोर्टल से निवेशकों को प्रोजेक्ट्स की रियल-टाइम ट्रैकिंग और एकल खिड़की की सुविधा मिलेगी। आईटी बोर्ड से वीसी पर चर्चा और मुख्यमंत्री की देशभर से आए टेक-लीडर्स के साथ वन-टू-वन बैठकें भी होंगी। स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन पोर्टल तैयार किया है। इस पर आईटी, डाटा सेंटर, ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर जैसे निवेश प्रस्तावों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग हो सकेगी।

पहलगाम हमले के बाद फिर पाकिस्तान ने एलओसी पर की गोलीबारी, मिला जवाब

नौसेना ने दागी एंटी शिप मिसाइलें, पाक चैनल्स के सभी सोशल मीडिया पेज बैन

नई दिल्ली/श्रीनगर एजेंसी। पहलगाम हमले के बाद भारत के ताबड़तोड़ निर्णयों से बौखलाए पाकिस्तान ने लगातार तीसरे दिन दरमियानी रात एलओसी पर फायरिंग की। भारतीय सेना ने भी इसके जवाब में हल्के हथियारों से गोलीबारी की है। इधर, सुरक्षाबलों ने कश्मीर में सुरक्षा घेरा और सख्त कर दिया है। इस बीच भारत सरकार ने पाकिस्तानी न्यूज चैनल्स के सोशल मीडिया पेज को बैन कर दिया है। केंद्र सरकार ने पहलगाम हमले की जांच नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी को सौंप दी है अब एजेंसी घटना के चश्मदीदों से पूछताछ कर रही है। घाटी में आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन भी जारी हैं। देर रात को सेना ने बांदीपोरा में टीआरएफ के एक्टिव टेररिस्ट अदनान शफी डार का घर भी गिरा दिया। इस तरह पिछले तीन दिन में 10 आतंकियों के घर ढहाए गए हैं। वहीं, कुपवाड़ा के कंडीखास इलाके में एक अज्ञात हमलावर ने 45 साल के गुलाम रसूल मगरे को उनके घर पर गोली मार दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मगरे सोशल एक्टिविस्ट थे। वहीं इस बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने पीएम नरेंद्र मोदी से फोन पर बात कर हमले की निंदा की है और मसूद ने कहा, 'आतंक के खिलाफ ईरान भारत के साथ है।' इस हमले के बाद सैन्य तैयारियों के दौर में इंडियन नेवी ने अपने जहाजों की लंबी दूरी तक सटीक आक्रामक हमले के लिए अपने प्लेटफार्म, मिसाइल और वेपन सिस्टम्स का परीक्षण जारी रखा है। नौसैनिक भी अपने वॉर ड्रिल को पुख्ता करने में जुटे हैं। इसी क्रम में नौसेना ने कई सफल एंटी-शिप फायरिंग टेस्ट को अंजाम दिया। नौसेना ने अरब सागर में कई एंटी शिप फायरिंग ड्रिल की। नौसेना ने कहा कि वह देश की समुद्री सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है।

एनआईए ने शुरू की पहलगाम हमले की जांच

मोदी बोले-यह आतंकियों की कायरता....

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के एपिसोड में कहा कि पहलगाम आतंकी हमले से देश दुखी है। हमले की तस्वीरें देखकर हर भारतीय का खून खौल रहा है। ये हमला आतंकियों की कायरता को दिखाता है। कश्मीर में शांति लौट रही थी। निर्माण कार्यों में गति आई थी तथा जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी लेकिन आतंकियों को ये रास नहीं आया। मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस युद्ध में 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता सबसे बड़ी ताकत है। यही हमारी लड़ाई का आधार भी है। पीएम ने आगे कहा, दो दिन पहले हमने देश के महान वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन जी को खो दिया है. जब भी कस्तूरीरंगन से मुलाकात हुई, हम भारत के युवाओं के टैलेंट, आधुनिक शिक्षा, स्पेस साइंस ऐसे विषयों पर काफी चर्चा करते थे. विज्ञान, शिक्षा और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाई देने में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा. उनके नेतृत्व में ISRO को एक नई पहचान मिली. उनके मार्गदर्शन में जो स्पेस प्रोग्राम आगे बढ़े, उससे भारत के प्रयासों को ग्लोबल मान्यता मिली।

आतंकियों को खाना-ठिकाना देने वाले गिरफ्तार

पुलिस ने बडगाम में सुरक्षा अधिनियम के तहत आतंकवादियों के दो मददगारों को पकड़ा है। जिनके नाम ताहिर अहमद और शब्बीर अहमद गनई हैं। खुफिया जानकारी के बाद इन दोनों को पकड़ा गया। जिससे पता चला कि दोनों इस क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादी संगठनों को सहायता प्रदान करने में शामिल थे। वे आतंकियों की आवाजाही, आश्रय, रसद सहायता, और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में उनकी निरंतर भागीदारी, स्थानीय युवाओं को प्रतिबंधित (आतंकवादी) संगठनों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने में भूमिका निभा रहे थे। इस वक्त सेना पुलिस आतंकवादी सफाए के साथ ही उनके समर्थक नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में जुटी है।

बर्निंग बस... हाइवे पर खड़ी यात्री बस में आग से हड़कंप

शाजापुर, एजेंसी। आगरा मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर शाजापुर से पांच किलोमीटर दूर आज सनकोटा पेट्रोल पंप के सामने एक यात्री बस में अचानक आग लग गई। यात्री बस होटल पर चाय नाश्ता के लिए खड़ी हुई थी, इसी दौरान बस में आग निकलने लगी। बस में कुल 50 से अधिक यात्री सवार थे, मगर बस के होटल पर रूकने की वजह से वे बाहर थे। करीब पांच मिनट बाद ही बस में से आग निकलना शुरू हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। आधे घंटे बाद मौके पर दो फायर ब्रिगेड पहुंचे तब जाकर आग पर काबू पाया जा सका। बस में आग का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। बस में एक यात्री सो रहा था, वह भी समय रहते वह भी बाहर निकल आया। वह मामूली झुलसा है। बस और उसमें रखा सभी यात्रियों का सामान पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। बस में कोई जनहानि नहीं हुई। हाईवे पर पुलिस ने सावधानी बरतते हुए एक ओर से वाहनों का आवागमन शुरू करवाया।

वरिष्ठ सैन्य अधिकारी की हत्या में संदिग्ध व्यक्ति को गिरफतार किया

मास्को, एजेंसी। रूस के सैन्य अधिकारियों ने कार में बम लगाकर एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी की हत्या करने के मामले में एक संदिग्ध व्यक्ति को गिर तार किया गया है।
रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने शनिवार को एक बयान में कहा कि संदिग्ध, कथित तौर पर यूक्रेनी विशेष सेवाओं का एक एजेंट है, उसके पास यूक्रेनी रेजिडेंस परमिट है।
रूसी जांच समिति के अनुसार, रूस के लेफ्टिनेंट जनरल यारोस्लाव मोस्कालिक की शुक्रवार को मॉस्को के उपनगर बालाशिखा में एक कार विस्फोट में मौत हो गई थी।

वर्ल्ड बैंक ने माना, भारत में गरीबी रेखा हुई धुंधली

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पिछले दस साल में गरीबी को कम करने में बड़ी सफलता हासिल की है। वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। शुक्रवार को जारी इस रिपोर्ट के अनुसार 2011-12 में देश में अत्यधिक गरीबी 16.2% थी। अत्यधिक गरीब का मतलब ऐसे लोगों से है जिनका रोजाना खर्च 2.15 डॉलर (करीब 180 रुपये) से भी कम है। विश्व बैंक के मुताबिक 2022-23 में देश में ऐसे लोगों की आबादी घटकर 2.3त्न पर आ गई। इस दौरान 17.1 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। गांवों में अत्यधिक गरीबी 18.4% से घटकर 2.8% रह गई। इसी तरह शहरों में यह आंकड़ा 10.7% से घटकर 1.1त्न रह गया है। रिपोर्ट के मुताबिक गांवों और शहरों के बीच गरीबी का अंतर भी कम हुआ है। यह अंतर 7.7% से घटकर 1.7% रह गया है। यानी गरीबी में हर साल 16% की गिरावट आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अब निम्न-

मध्यम आय वाले देशों की श्रेणी में आ गया है। इसका मतलब है कि भारत की अर्थव्यवस्था पहले से बेहतर हुई है। रिपोर्ट के अनुसार अगर हम प्रतिदिन 3.65 (लगभग 300 रुपये) की आय को गरीबी रेखा मानें तो भारत में गरीबी 61.8% से घटकर 28.1% हो गई है। इस तरह 37.8 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं। गांवों में गरीबी 69% से घटकर 32.5% हो गई है। शहरों में यह 43.5% से घटकर 17.2% हो गई है। गांवों और शहरों के बीच गरीबी का अंतर 25% से घटकर 15त्न रह गया है। यानी, गरीबी में हर साल 7% की कमी आई है। सबसे ज्यादा आबादी वाले पांच राज्य उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में 2011-12 में देश के 65% गरीब लोग रहते थे। इन राज्यों ने 2022-23 तक गरीबी को कम करने में दो-तिहाई योगदान दिया है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि देश में गत दशक में 17 करोड़ लोग गरीबी के कुचक्र से बाहर आए हैं। विश्व बैंक के अनुसार भारत में 171 मिलियन लोगों का अत्यधिक गरीबी से बाहर आना इस दशक की उल्लेखनीय उपलब्धि है।

फिल्म निदेशकों को हाइब्रिड गांजे के साथ दबोचा

कोच्चि, एजेंसी। केरल पुलिस की आबकारी टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मशहूर मलयालम फिल्म निर्देशक खालिद रहमान और अशरफ हमजा को गिरफ्तार किया है और उनके दोस्त शालिफ मोहम्मद को भी पकडा। पुलिस ने इनके पास से 1.6 ग्राम हाइब्रिड गांजा बरामद किया। यह छापेमारी कोच्चि के एक फ्लैट में रात करीब 2 बजे की गई, जो सिनेमैटोग्राफर समीर ताहिर ने किराए पर लिया था। रिपोर्ट के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कोच्चि के पुरवा ग्रैंडबे फ्लैट नंबर 506 में गांजा रखा गया है। आबकारी विभाग की विशेष टीम ने तुरंत कार्रवाई की और छापेमारी के दौरान तीनों को गांजा इस्तेमाल करने की तैयारी करते हुए पकड़ा। एक अधिकारी ने इस बारे में कहा, ÷हमने तीनों को हिरासत में लिया है और उनके पास से हाइब्रिड गांजा जब्त किया है। पूछताछ में पता चला है कि ये लोग लंबे समय से गांजा का इस्तेमाल कर रहे थे।

देश के पूर्वी हिस्से समेत मप्र के पूरब में भी बारिश के आसार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मौसम विभाग ने मप्र के पूर्वी हिस्से समेत देश के पूर्वी हिस्से अरुणाचल, सिक्किम समेत पूर्वोत्तर के 8 राज्यों में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड समेत 10 राज्यों में ओले गिरने की संभावना भी है। मौसम के इस बदलाव से इन राज्यों में पड़ रही तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, यूपी, गुजरात में अगले 4 दिन तक हीट वेव और गर्मी का असर कम नहीं होने वाला है। इधर मप्र में गर्मी के बीच जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में अगले 4 दिन बारिश की संभावना है। कुछ जिलों में ओले भी गिरेंगे। वहीं, ग्वालियर-चंबल संभाग में मिला-जुला असर देखने को मिलेगा। यहां बारिश भी होगी और तेज गर्मी भी पड़ेगी। लेकिन भोपाल,इंदौर व उज्जैन में तेज गर्मी जारी रहेगी।

ईडी दफ्तर में भीषण आग

मुंबई, एजेंसी। बल्लार्ड एस्टेट में ईडी यानि प्रवर्तन निदेशालय अफ्तर में आज तड़के भीषण आग लग गई। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ईडी ऑफिस कैसर-ए-हिंद बिल्डिंग में है। ये बिल्डिंग करीमभाई रोड पर ग्रैंड होटल के पास है। अधिकारियों के अनुसार, आग करीब तीन बजे चौथी मंजिल पर लगी। फायर ब्रिगेड और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फायर ब्रिगेड विभाग ने इस आग को लेवल-II की आग घोषित किया है जो बड़ी आग माना जाता है। इस आगे में ईडी दफ्तर या वहां के रेकार्ड क्या नुकसान पहुंचा है इसका ब्योरा सामने नहीं आ सका है।

मेट्रो एंकर | देर रात पुलिस मुख्यालय पहुंचकर पुलिस के काम-काज की समीक्षा

माननीयों को सैल्यूट या सौहार्द.. सीएम फोर्स के साथ!

दोपहर मेट्रो, भोपाल। मप्र में सभी 'माननीयों' को पुलिस का सैल्यूट 'अनिवार्य' करने पर छिड़ी बहस के बीच मुख्यमंत्री मोहन यादव के 'नए रुख' से पुलिस मुख्यालय मुरीद हो गया है। दरअसल डीजीपी ने दो दिन पहले आदेश जारी कर सभी विधायकों-सांसदों को सैल्यूट देने, मुलाकात में प्राथमिकता और शिष्टता से संवाद की हिदायत का परिपत्र भेजा था। इसे लेकर मैदानी से लेकर मुख्यालयीन अमला कसमसा रहा था, क्योंकि पुराने परिपत्रो में सौहार्दपूर्ण व्यवहार की ताकीद है। इस बीच बीती रात जब अचानक सीएम यादव पीएचक्यू पहुंचे तो उनके एजेंडे में लव जिहाद,नक्सलवाद जैसे विषय भले ही रहे हों लेकिन संभवतः 'पूरक एजेंडा' के तौर पर यही सैल्यूट प्रकरण था, ताकि फोर्स के मन की थाह ली जा सके। सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री ने इस विषय पर बात छेड़ी तो सिध्दांततः किसी अफसर ने इसके खिलाफ कुछ नहीं कहा, लेकिन जो लब्बोलुबाब उभरा, उस पर सीएम ने कहा- अब आप खुद देखें, कि 'किस तरह' परंपरा का पालन करना है, आपका जो भी

रुख होगा, मैं उसके साथ रहूंगा। वैसे जनप्रतिनिधियों के सम्मान की परंपरा पुरानी है। दरअसल, इस मामले की जड़ में कुछ मंत्रियों की शिकायतें रही हैं, जिसके चलते शायद डीजीपी को पुलिस फोर्स को सौहार्दपूर्ण अभिवादन से सैल्यूट परंपरा और कुछ अपेक्षाएं याद दिलाना पड़ी। बताया जाता है कि एक कैबिनेट मंत्री ने कुछ दिनों पहले यह शिकवा किया था कि पुलिस अफसर सम्मान से पेश नहीं आते, इसके पहले कुछ विधायकों ने भी यही बात परोक्ष व अपरोक्ष तरीकों कही थी। हालांकि इस विस्तृत से आदेश अफसर इसलिये भी अनमने हो गए क्योंकि मप्र मे कई बार ऐसे घटनाक्रम उभरे हैं, जहां पर 'माननीयों' की भूमिका पर सवाल उठे हैं। इन सवालों के बीच सैल्यूट पर ही उलझन फंसी। वैसे एक अफसर का कहना है कि 'मंत्रियों को सैल्यूट तो हम व हमारी फोर्स देती रही है, जब वे मिलने आते हैं तो भी उन्हें सम्मान व प्राथमिकता मिलती है, मैदानी तौर पर जनप्रतिनिधियों से मुलाकात में पुलिस शैली में अभिवादन दिया जाता है,इसमें व सैल्यूट में अंतर नहीं है। अलबत्ता कुछ विवादित मामलों में जरूर असमंजस बनता है।'

छात्राओं से दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं

बैठक में सीएम ने कहा कि किसी भी नागरिक के साथ कोई आपराधिक घटनाएं न हो। खासकर स्कूल व कॉलेजों में छात्राएं पूरी तरह सुरक्षित हों। शैक्षणिक संस्थाओं व परिसरों को अपराध मुक्त बनाएं, आरोपियों के साथ पुलिस सख्ती से निपटे। लव जिहाद पर उन्होंने कहा कि सभी इलाकों में समान नजर रखी जाए। प्रभावी पुलिसिंग में कमजोरी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं होगी। पाक नागरिकों ने मप्र छोड़ दिया या नहीं- सीएम ने पूछा कि मप्र आए पाकिस्तान नागरिकों ने देश छोड़ दिया या नहींड़ सभी को समय सीमा के भीतर बाहर भेजें। मप्र में अध्यनरत जम्मू कश्मीर के छात्र-छात्राओं को सुरक्षा दें।

कल पीडब्ल्यूडी, स्मार्ट सिटी और ननि के साथ ट्रैफिक पुलिस की बैठक

बेलगाम ई-रिक्शा की हद तय कर सकेंगे अफसर !

यातायात पुलिस जोन वार करेगी ई-रिक्शा की लिस्टिंग, लो-फ्लोर बसों के रूटों पर ई रिक्शा को परमिट नहीं मिलेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बीते लंबे समय से राजधानी में यातायात व्यवस्था में बाधा बन रहे ई-रिक्शा चालकों पर आखिरकार नकेल कसने की तैयारी शुरू हो गई है। इनके लिए रूट से लेकर बस स्टॉप तय होंगे और यह सड़क पर किस लेन में चलेंगे यह भी तय किया जाएगा। इस पर हाल में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सैध्दांतिक सहमति बनी है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने निर्देश दिए हैं कि इसकी कार्ययोजना बनाने के लिए अब पीडब्ल्यूडी, स्मार्ट सिटी और नगर निगम के अधिकारी यातायात पुलिस के साथ मिलकर विस्तृत प्लान तैयार करें। इस संबंध में अब कल सोमवार को चारों एजेंसियों की बैठक रखी गई है। बताया जाता है कि प्रारंभिक बैठक में अधिकारियों ने माना कि के ई-रिक्शा के मनमाने संचालन से गंभीर समस्या पैदा हो गई हैं। इसलिये यह भी चर्चा हुई है कि शहर के कुछ हिस्सों में ई-रिक्शा को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया जाएगा। यातायात पुलिस जोन वार ई-रिक्शा की लिस्टिंग करेगी। इसके आधार पर ही इनको संचालन के परमिट दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि ई रिक्शा सड़कों पर किसी यातायात नियम का पालन करते नहीं दिखते। यह सड़कों पर लापरवाही से चलाए जा रहे हैं और इनकी वजह से ट्रेफिक में बहुत दिक्कतें हो गई हैं। यह रिक्शा पीछे से आने वाले वाहनों को साइड भी नहीं देते और अक्सर अभद्रता करते हैं।

इसके अलावा लो-फ्लोर बसों के रूटों पर ई रिक्शा को परमिट नहीं मिलेंगे। बल्कि मुख्य मार्गों से अंदर जाने वाले रास्तों पर इनको चलाया जाएगा। इनके लिए लो-फ्लोर बसों के स्टॉप से दूर अलग स्टॉप बनाए जाएंगे। मैन रोड पर ई-रिक्शा लेफ्ट साइड यानी अंतिम लेन में चलेंगे। अभी इनके बीच में चलने से तेज रफ्तार चार पहिया वाहनों को परेशानी होती है।

पुरानी गाड़ियों पर भी नकेल

यह भी तय किया गया है कि पुरानीगाडियों पर नकेल कसी जाए। कलेक्टर सिंह ने आरटीओ को निर्देशित किया है कि शहर की सड़कों पर दौड़ रही पुरानी गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो। खासकर ऐसी पुरानी गाड़ियां जो पंद्रह साल से पुरानी हैं और शहर में प्रदूषण का स्तर बढ़ा रही हैं, उन पर कार्रवाई करने को कहा गया है। इसके लिए आरटीओ से प्लानिंग भी मांगी है।

ज्योति टॉकीज का लेफ्ट टर्न सबसे बडा अवरोध

बताया जाता है कि कल की बैठक में शहर के आधा दर्जन तिराहे-चौराहों पर लेफ्ट टर्न क्लियर करने, दो स्थान पर रोटरियों को व्यवस्थित करने और चार नए स्थान पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने का निर्णय भी लिया गया है। हालांकि राजधानी में ज्योति टाकीज का चौराहा लेफ्ट टर्न क्लीयर होने के बाद भी यातायात का सबसे खराब उदाहरण है। यहां बोर्ड आफिर से आकर एमपी नगर जाने वाला लेफ्ट टर्न क्लीयर है लेकिन इस पर चेतक ब्रिज पर जाने वाले वाहन खडे रहते हैं, खास बात यह कि इस जगह से महज तीस फीट दूर बनी पुलिस चौकी के बाहर कुर्सी डालकर बैठे पुलिसकर्मी रोज यह नजारा चुपचाप देखते रहते हैं या अनदेखा करते हैं।

कॉलेज में लव जिहाद का मामला

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने पुलिस आयुक्त दिए जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में कॉलेज पढ़ने वाली छात्राओं को लव जिहाद का शिकार बनाने के सनसनीखेज मामले के उजागर होने के बाद जहां एक ओर लगातार नए-नए खुलासे हो रहे हैं। वहीं दूसरी मामले की शिकायत राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग तक भी पहुंची है। मामले में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने तत्काल संज्ञान लेते हुए भोपाल पुलिस आयुक्त को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मामले की पूरी रिपोर्ट तलब की है। बता दें कि हाल ही राजधानी के एक निजी कॉलेज में लव जिहाद का मामला सामने आया है।ड़मामले में कॉलेज में पड़ने वाली लड़कियों को लव जिहाद में फंसाकर पहले दुष्कर्म और फिर वीडियो बनाकर धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर करने का खुलासा हुआ है। जिसके बाद भोपाल के तीन थानों बागसेवनिया, अशोका गार्डन और जहांगीराबाद में अब तक 6 लोगों पर एफआईआर की जा चुकी है।

कार्यालय में शराब पार्टी, महिला से अभद्रता, भ्रष्टाचार सहित समेत कई गंभीर आरोप

भारी पड़ा डीईओ कार्यालय का कर्मचारी, दर्जनों शिकायतें फाइलों में दबी !

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के शिवाजी नगर स्थित जिला शिक्षा अधिकारी अपने काम से ज्यादा इन दिनों एक सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी सीजे जॉयसन को लेकर सुर्खियों में है। यह वहीं कर्मचारी है जिसका नाम कभी कार्यालय में शराब पार्टी, कभी महिला कर्मचारी से अभद्रता तो कभी भ्रष्टाचार सहित सभी नियमों को ताक पर रखकर दो-दो सरकारी आवासों को अपने के लिए आवंटित कराने में सामने आया है। जॉयसन के खिलाफ दर्जनों शिकायतें अब तक जिला शिक्षा अधिकारी से लेकर स्कूल शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों, स्कूल शिक्षा मंत्री तक की गई हैं, लेकिन शिकायतें फाइलों तक ही सीमित रह गई हैं और धूल खा रही हैं। ऐसे में विभागीय गलियारों में बड़ी चर्चा है कि डीईओ कार्यालय का एक सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी शासन-प्रशासन पर भारी है। विभागीय सूत्रों की माने तो विभाग के अन्य कर्मचारी दबी जुबां यह भी कहते नजर आते हैं कि जॉयसन पर विभाग के ही कुछ आला अधिकारियों का समर्थन इन शिकायतों पर कार्यवाही में रोड़ा बना हुआ है। हालांकि मामले में 'दोपहर मेट्रो' शिकायतें में लगाए गए आरोपों की पुष्टि नहीं करता है। इधर मामले में सीजे जॉयसन ने शिकायतों को पुरानी और फर्जी बताते हुए विभाग स्तर पर जांच की बात कही है। विभागीय जानकारों की मानें तो सीजे जॉयसन के विरुद्ध बीते सालों में एक दर्जन से अधिक शिकायतें टीटी पुलिस थाना, लोक शिक्षण संचालनालय, जिला शिक्षा अधिकारी, संभागीय संयुक्त संचालक, स्कूल शिक्षा मंत्री सहित विभिन्न स्थानों पर की गई हैं। इसके बाद भी जॉयसन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में बीते 15 वर्षों से जमे हुए हैं और खेल शाखा एवं आयोजन की कमान अपने हाथ में लिए हुए हैं। विभागीय सूत्र बताते हैं कि जॉयसन को खेल शाखा एवं आयोजन से बड़ा लगाव है। कई बार कार्यालय में तो परिवर्तन हुआ और जॉयसन को अलग-अलग जगह भेजा गया, लेकिन उन्होंने हर बार अपनी वापिसी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के खेल शाखा एवं आयोजन में करा ली।

मंत्री तक शिकायत मगर नहीं बनी जांच कमेटी

दरअसल, फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया नाम की एक संस्था द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी सीजे जॉयसन के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायतें स्कूल शिक्षा मंत्री कार्यालय में की गई है। मामला स्कूल शिक्षा मंत्री तक पहुंचने के बाद लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा संभागीय संयुक्त संचालक को जांच के निर्देश जारी किए गए हैं। जिसके बाद संभाग स्तर पर जांच कमेटी गठित जानी है, लेकिन शिकायतों के दस दिन बीत जाने के बाद भी मामले में अब तक न तो जांच कमेटी बनाई गई है और नहीं किसी प्रकार की कार्यवाही की गई है।

सरकारी आवासों का ऑडिट ही नहीं

विभागीय जानकारों के अनुसार, राजधानी के भेल स्थित सरकारी आवासों का आवंटन का अधिकार और पूरी बागडोर जिला शिक्षा अधिकारी के हाथ में है। 10 साल से इन आवासों का ऑडिट तक नहीं हुआ है। ऐसे में आवासों की इनकी संख्या और न ही इनके रख-रखाव पर किए गए खर्च और न ही इनसे आने वाले किराए की जानकारी सार्वजनिक की गई है। ऐसे में कई ऐसे कर्मचारी हैं, जो वर्षों से सरकारी आवास पाने के लिए डीईओ कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, जबकि इसमें सीजे जॉयसन का पूरा दखल बताया जाता है।

29 को लघु उद्योग भारती का स्थापना दिवस समारोह

भोपाल, दोपहर मेट्रो। सूक्ष्म एवं लघु उद्योग क्षेत्र में कार्यरत राष्ट्रीय संगठन लघु उद्योग भारती, मप्र अपने 32वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य समारोह का आयोजन करने जा रहा है। यह कार्यक्रम दिनांक 29 अप्रैल को ग्लोबल स्किल पार्क, इंद्रपुरी, भोपाल (म.प्र.) में दोपहर 3:5 बजे से प्रारंभ होगा। इस अवसर पर लीप ई-पोर्टल का शुभारंभ किया जाएगा तथा नवीन एमएसएमई नीति 2025 की जानकारी उद्यमियों को प्रदान की जाएगी। इस आयोजन का उद्देश्य प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिक सशक्त एवं सुगम बनाना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, मंत्री चैतन्य कश्यप द्वारा की जाएगी। विशेष अतिथि के रूप में कौशल विकास एवं रोजगार विभाग राज्य मंत्री गौतम टेटवाल, ताराचंद गोयल, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती, उपस्थित रहेंगे। लघु उद्योग भारती मप्र के अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा, महामंत्री अरुण सोनी तथा आयोजन समिति के संयोजक सुभा कामऋषि, शेखर दुरानडे एवं अन्य सदस्यगण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी उद्यमियों से आग्रह किया हैं। उन्होने कहा कि यह आयोजन प्रदेश के उद्यमिता जगत के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। आयोजन में प्रदेश भर से उद्यमीगण, विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि एवं नीति निर्माता उपस्थित रहेंगे।

लाइव द थ्रिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो। आज निपानिया जाट इलाके में लाइव द थ्रिल इवेंट की लॉन्चिंग के मौके पर महापौर मालती राय व पार्षद कुसुम चतुर्वेदी मौजूद रहे।

बिजली की हाइटेंशन लाइन के करीब बने निर्माण तोड़े

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के अमले ने राजधानी के नारियल खेड़ा इलाके के शारदा नगर में दूसरी बड़ी कार्रवाई की तथा 132 केवी की एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन के नीचे किए गए 4 पक्के मकानों के छज्जे, शेड और दीवार तोड़ दिए। इसी इलाके में 9 दिन पहले तीन मकान तोड़े गए थे। जो निर्माण तोड़े गए वो एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन की ऊंचाई से सिर्फ 6 या 7 फीट की दूरी पर ही बना लिए गए थे। एमपी ट्रांसको के एमडी सुनील तिवारी ने बताया कि ये पक्के निर्माण 132 केवी भोपाल-लालघाटी लाइन के इंडक्शन ज़ोन बनाए गए थे। भोपाल में अब तक 275 स्थान चिन्हित किए गए हैं, जहां हाई टेंशन लाइन के पास खतरनाक निर्माण हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री ने जूरी को किया संबोधित

समृद्धि का मार्ग शिक्षा से आता है : परमार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारतवर्ष देश की युवा प्रतिभाओं के शोध एवं नवाचार के आधार पर आगामी समय में विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करेगा। समृद्धि का मार्ग शिक्षा से आता है।?हमारा यह पूरा प्रयास है कि प्रदेश के विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में नवाचार के साथ अपने प्रोजेक्ट्स के माध्यम से प्रदेश एवं देश के विकास में सहयोग करने वाले युवा वैज्ञानिकों को उचित प्लेटफार्म एवं सम्मान दोनों मिले, जिससे प्रदेश में विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करने के लिए एक इकोसिस्टम तैयार हो। यह बात तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं आयुष विभाग के मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कही। राजधानी स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के नॉलेज रिसोर्स सेंटर में सृजन के लिए आए हुए मॉडल एवं प्रोजेक्ट को चयन करने वाली ज्यूरी को संबोधित करते हुए मंत्री परमार ने कहा कि सृजन कार्यक्रम इसी दिशा में आगे बढ़ने की एक पहल है।

शिक्षाविद डॉ. धर्मपाल को किया सम्मानित

इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री ने सभी ज्यूरी सदस्यों को शिक्षाविद डॉ. धर्मपाल का प्रेरणादायी साहित्य एवं पुष्प देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव त्रिपाठी एवं कुलसचिव प्रो. मोहन सेन सहित सृजन की आयोजन समिति के सदस्य, ज्यूरी मेम्बर एवं प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

150 चयनित प्रविष्टियों की प्रदर्शनी एवं पुरुस्कार वितरण

छात्रों को वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान करने एवं इमर्जिंग प्रौद्योगिकी आधारित प्रोजेक्ट्स एवं नवाचार युक्त विचारों को स्टार्टअप में बदलने के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से इनोवेट एमपी मिशन के तहत आगामी 10-11 मई को राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 6 श्रेणियों के 1568 प्रविष्टियों में से 150 चयनित प्रविष्टियों की प्रदर्शनी एवं पुरूस्कार वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।?जिसमे विभिन्न श्रेणियों में 50 से अधिक पुरूस्कार युवा वैज्ञानिकों को प्रदान किये जाएंगे। विश्वविद्यालय में इन्ही प्रविष्टियों के चयन को अंतिम रूप देने हेतु ज्यूरी विश्वविद्यालय पहुंची थी।

मेट्रो एंकर | विभिन्न कलाओं का दिया जाएगा प्रशिक्षण

गर्मियों की छुट्टियों में स्कूलों में समर कैंप

दोपहर मेट्रो, हिरदाराम नगर।

गर्मियों की छुट्टियों से पहले ही संतनगर के विद्यालयों ने समर कैंप आयोजित करना तय कर लिया है। मई माह में विद्यालयों में बच्चों को कई तरह के हुनर सिखाए जाएंगे। जहां साधु वासवानी स्कूल में बाल अभिव्यक्ति शिविर लगाया जाएगा, वहीं एटी शाहनी व सिंधु माध्यमिक विद्यालयों में विभिन्न कलाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

साधु वासवानी स्कूल

एक मई से ग्रीष्मकालीन समर कैंप का आयोजन करने जा रहा है। सुधार सभा के अध्यक्ष विष्णु गेहानी ने बताया कि बाल अभिव्यक्ति शिविर में विद्यार्थियों को अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा योगा, विभिन्न प्रकार के खेल जैसे खो-खो, वॉलीबॉल, कबड्डी, फुटबॉल, बैडमिंटन, चित्रकला, मेहंदी, संगीत, हस्तलेखन सुधार, कैलीग्राफी, नृत्यकला, अंग्रेजी स्पोकन, कंप्यूटर, कुकिंग प्रशिक्षण,

बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट और सिंधी लिपि जैसी अनेक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कैंप में खेलों के बाद पुस्तकालय की व्यवस्था भी रहेगी, जिससे विद्यार्थी ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ सकेंगे।

एटी शाहनी में पांच मई से

अनंदराम टी. शाहानी कन्या विद्यालय व सिंधु माध्यमिक विद्यालय एक साथ कैंप का आयोजन करेगा। पांच से समर कैंप शुरू होगा। प्रातः 9-00 बजे से शुरू होने वाले इस कैंप में विद्यालय के छात्रों के साथ-साथ संत नगर के अन्य बच्चे भी शामिल हो सकेंगे। कैंप में डांस, मेहंदी, आर्ट एंड क्राफ्ट, कंप्यूटर के बेसिक कोर्स, ड्राइंग, स्पोर्ट्स, माइथोलॉजिकल क्विज, साइंस क्विज, मैथ्स क्विज, इंग्लिश क्विज, हिंदी क्विज और ए.आई. रोबोटिक क्विज जैसी रोचक और ज्ञानवर्धक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

समय पर पूरा करना होगा उज्जैन में आईटी पार्क का काम

विकास : मेगा इन्वेस्टमेंट जोन बनेगा विक्रम उद्योगपुरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विक्रम उद्योगपुरी को मेगा इन्वेस्टमेंट जोन के रूप में विकसित किया जाएगा। जरुरत पड़ी तो यहा उद्योगों के लिए और जमीनें दी जा सकती है। इसके अलावा इंफास्ट्रक्चर की दृष्टि से भी विकास किया जाएगा। यह उज्जैन-देवास रोड के बीच नरवर गांव में स्थापित है। केंद्र व राज्य दोनों का फोकस इसे विकसित करने पर रहा है। केंद्र तो इसे 10 इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में शामिल कर चुका है। करीब 1100 एकड़ में फैली विक्रम उद्योगपुरी में राज्य सरकार नए सिरे से काम करेगी। इसका मकसद यहां मेगा इन्वेस्टमेंट लाना है, जो मध्यप्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को गति दे सकें। सीएम डॉ. मोहन यादव ने स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएसआईडीसी) की बैठक ली, जिसमें अधिकारियों को निर्देश दिए।

आईटी पार्क उज्जैन का काम जल्द पूरा

■ सीएम ने कहा है कि उज्जैन में आईटी पार्क के द्वितीय चरण का कार्य समय सीमा निर्धारित कर पीपीपी मोड पर शुरू करें, इसमें किसी भी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। औद्योगिक कम्पनियों को दीर्घकालीन, अल्पकालीन ऋण, पूंजीगत सब्सिडी आदि के रूप में दी जाने वाली वित्तीय सहायता के संबंध में स्पष्टता होनी चाहिए, कोई भी प्रकरण लंबित न रखे।

UDYOG EVAM ROJGAR VARSH 2025
INVEST MADHYA PRADESH
MPS@DC
देश का टेक्नोलॉजी हब
बनने की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश
टेक ग्रोथ
कॉन्क्लेव 2025
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के संकल्पों को साकार करता मध्यप्रदेश
शुभारंभ
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश द्वारा
27 अप्रैल 2025 | सायं 5:00 बजे
ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर
अवसरों का प्रदेश
मध्यप्रदेश...
इन्वेस्टर फ्रेंडली नीतियां
• ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स पॉलिसी 2025
• ड्रोन प्रमोशन एवं यूसेज पॉलिसी 2025
• आईटी, आईटीईएस एवं ईएसडीएम इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023
• एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी 2025
• सेमीकंडक्टर पॉलिसी 2025
टेक ईकोसिस्टम
15+ आईटी पार्क
5 आईटी सेज़
2000+ आईटी, आईटीईएस यूनिट
50+ बड़ी आईटी कंपनियां
1200+ टेक स्टार्ट-अप्स
200K+ रोज़गार के अवसर
2 टेक यूनिकॉर्न
फोकस क्षेत्र
आईटी-आईटीईएस
एवीजीसी-एक्सआर
ड्रोन प्रौद्योगिकी
ईएसडीएम और सेमीकंडक्टर
डाटा सेंटर
ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स
D11017/25
ipcell-mp@mpsedc.com | Website : mpsedc.mp.gov.in | #MPTechGrowthConclave2025 | #TechDestinationMP
सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP JansamparkMP

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 27 अप्रैल 2025 epaper.dopaharmetro.com

मौलिक सृजन को संरक्षित करना बड़ी चुनौती

बौद्धिक संपदा दिमाग की रचनाओं से संबंधित है, जैसे आविष्कार, साहित्यिक सृजन, संगीत, कला और कलात्मक कार्य, डिजाइन और व्यापार में उपयोग किए जाने वाले प्रतीक, नाम और चित्र आदि। ऐसे रचनात्मक काम जो पहले नहीं किया गया हो, ये हमारी बौद्धिक संपदा है।

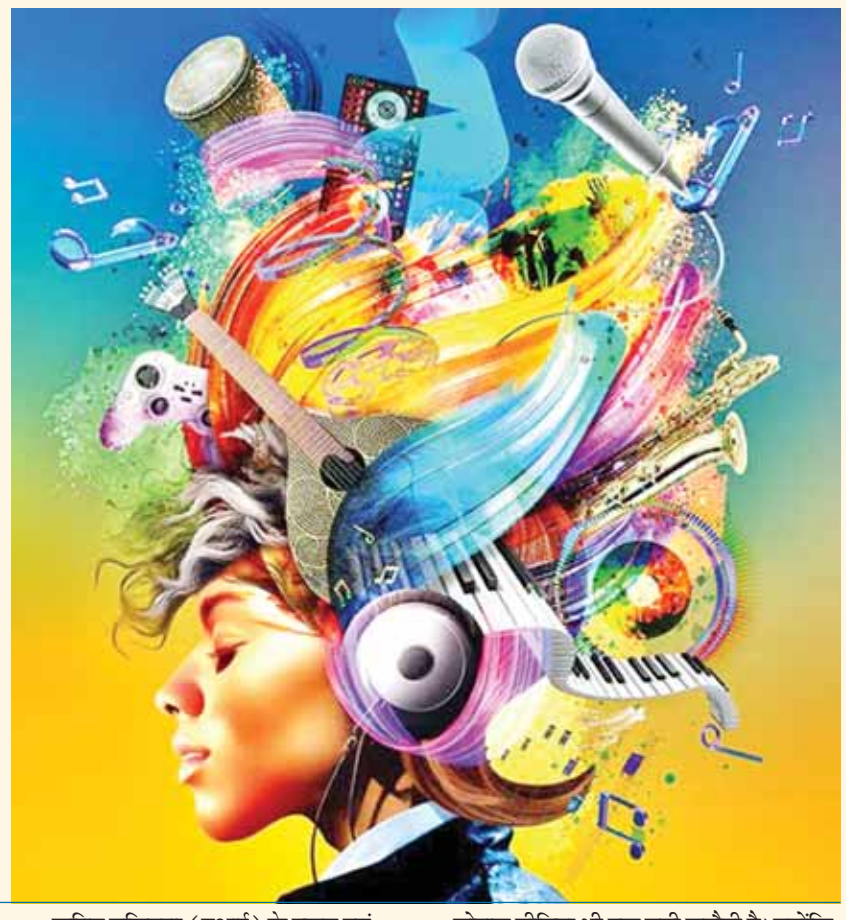

■ ललित गर्ग

रचनात्मकता, सृजनात्मकता और संरचनात्मकता मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है, मानव की इन मौलिक विशेषताओं एवं उपलब्धियों को उचित सम्मान मिले, उचित प्रोत्साहन एवं पारिश्रमिक मिले, ऐसे नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए ही हर साल 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बौद्धिक संपदा (आईपी) के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और नवाचार तथा रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में आईपी की भूमिका को उजागर करना है। कृत्रिम बौद्धिकता के दौर में मानव की स्वतः स्फूर्त बौद्धिकता का संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन ज्यादा जरूरी है। 2025 की थीम 'आईपी और संगीतः आईपी की धड़कन महसूस करें' है। यह संगीत उद्योग में बौद्धिक संपदा (आईपी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है, इस थीम का उद्देश्य आईपी के माध्यम से संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करना और उन्हें उनके काम के लिए उचित मान्यता दिलाना है। 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि इसी दिन 1970 में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की स्थापना करने वाला कन्वेंशन लागू हुआ था। यह दिन बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि के महत्व को उजागर करता है, जो नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

बौद्धिक संपदा दिमाग की रचनाओं से संबंधित है, जैसे आविष्कार, साहित्यिक सृजन, संगीत, कला और कलात्मक कार्य, डिजाइन और व्यापार में उपयोग किए जाने वाले प्रतीक, नाम और चित्र आदि। ऐसे रचनात्मक काम जो पहले नहीं किया गया हो, ये हमारी बौद्धिक संपदा है। इस रचनात्मक सम्पदा का कोई दूसरा अनाधिकृत उपयोग नहीं सके, इसके लिए हमें अपनी बौद्धिक संपदा को सुरक्षित एवं संरक्षित करवाना चाहिए। इसी उद्देश्य से यह दिवस बौद्धिक संपदा संरक्षण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है, दुनियाभर में बौद्धिक संपदा संरक्षण के प्रभाव को विस्तार देता है, देशों से बौद्धिक संपदा संरक्षण कानूनों और विनियमों को प्रचारित और लोकप्रिय बनाने का आग्रह करता है, बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में सार्वजनिक कानूनी जागरूकता बढ़ाता है। इसके साथ ही इसका बड़ा उद्देश्य है विभिन्न देशों में आविष्कार-नवाचार गतिविधियों को प्रोत्साहित करना और बौद्धिक संपदा क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान को मजबूत करना है। भारत भी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन का सदस्य है। इस संगठन की स्थापना 14 जुलाई 1967 को हुई थी, जिसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उद्भव एवं प्रचलन का बौद्धिक संपदा (आईपी) ढांचे पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, जो एक बड़ी चुनौती है। हमें एआई जैसे नवाचार प्रोत्साहनों के उभरते परिदृश्य और मौजूदा आईपी ढांचे के लिए इसके द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर मंथन करना होगा। पेटेंट योग्यता दुविधाओं से लेकर कॉपीराइट पहेली तक, हम पाते हैं कि तेजी से तकनीकी प्रगति के बीच नवाचार को बढ़ावा देने और सामाजिक हितों की रक्षा करने के बीच एक नाजुक संतुलन है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के साथ हमारे संपर्क के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। जैसे-जैसे एआई अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है, इसका बौद्धिक संपदा के संरक्षण पर चुनौतीपूर्ण गहरा प्रभाव पड़ रहा है। चैटजीपीटी जैसे एआई चैट बॉट अविश्वसनीय रूप से परिष्कृत मानव-जैसे लिखित उत्तर दे सकते हैं, क्योंकि भाषा मॉडल की प्रश्नों और कार्यों को समझने और उन टेक्स्ट और डेटा के आधार पर प्रतिक्रियाएं देने की क्षमता है, जिन पर इसे प्रशिक्षित किया गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अन्य क्षेत्रों में भी भी जैसे कला, लेखन, युद्ध, व्यापार, प्रबंधन, संगीत, फिल्म-निर्माण आदि में भी दखल बढ़ रहा है। एआई सार्वजनिक क्षेत्र में पहले से कहीं ज्यादा है और व्यवसाय में इसकी भूमिका दिनोंदिन बढ़ रही है।

इसी के साथ बौद्धिक सम्पदा के सम्मुख सोशल मीडिया भी एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि सोशल मीडिया के दौर में हर कोई दूसरों की रचनात्मकता एवं मौलिक सृजन को अपना बता कर पेश कर रहा है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी बौद्धिक संपदा के लिए जागरूक होना होगा। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ अलग और रचनात्मक एवं मौलिक काम करने की क्षमता होती है। हम अपनी बौद्धिक संपदा को पांच तरीके से संरक्षित कर सकते हैं। इसमें पहला है कॉपीराइट, दूसरा पेटेंट, तीसरा ट्रेडमार्क, चौथा है औद्योगिक डिजाइन और पांचवा है भौगोलिक संकेतक। अगर आप कुछ लिखते हैं, जो आपका मौलिक लेखन है तो आप कॉपीराइट करा सकते हैं। इसके बाद व्यापार के क्षेत्र में होता है ट्रेडमार्क, जो आपका सिंबल होता है, जो किसी संस्था, कंपनी की पहचान के लिए होता है, उसे अगर ट्रेडमार्क करवा सकते हैं तो कोई दूसरा उस सिंबल का उपयोग नहीं कर सकेगा। अगर आपने कोई आविष्कार किया है तो उसे पेटेंट करा कर सुरक्षित रख सकते हैं। इसके बाद आता है औद्योगिक डिजाइन और भौगोलिक संकेतक।

इस वर्ष की थीम संगीत पर केन्द्रित है। संगीत ने हमेशा लोगों को जोड़ने, बदलाव को प्रेरित करने और सांस्कृतिक विकास को आगे बढ़ाने में एक अनूठी भूमिका निभाई है। यह विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे आईपी अधिकार संगीतकारों और अन्य संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करते हैं। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस डब्ल्यूआईपीओ का सबसे बड़ा बौद्धिक संपदा (आईपी) सार्वजनिक जनजागृति अभियान है। कॉपीराइट और अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार संगीत उद्योग की प्रभावी मदद करते हैं। वे सुनिश्चित करते हैं कि संगीत रचनाकारों को उनके काम का श्रेय और भुगतान मिले। यह दिन यह भी दिखाएगा कि इन अधिकारों की मदद से संगीत को बेहतर बनाने में रचनात्मकता और नए विचार कितने महत्वपूर्ण हैं।

आधुनिक समय में संगीत बौद्धिक एवं आर्थिक सम्पदा का बड़ा माध्यम है। आज की आपाधापी, तनाव एवं अवसादपूर्ण जीवन में संगीत ही एक ऐसा माध्यम है जो शांति, सुकून एवं आनन्द प्रदत्त कर सकता है। संगीत सुनने से इंसान को अलौकितता का अहसास होता है। डॉक्टर भी संगीत को सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं। संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। इसीलिये संगीत एक बड़ी बौद्धिक सम्पदा है।

शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में संपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। इन संगीत प्रस्तुतियों से जुड़े कलाकार एवं संगीतकारों के लिये यह उनकी बौद्धिक सम्पदा है। यह दिन इन बौद्धिक संपदा से जुड़े अधिकारों के संरक्षण के महत्व को रेखांकित करता है, जो रचनाकारों और आविष्कारकों को उनके काम के लिए पुरस्कृत करने में मदद करता है एवं उनके उचित पारिश्रमिक को सुनिश्चित करता है। वैश्विक स्तर पर, युवा लोग नवाचार की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, अपनी ऊर्जा और सरलता, अपनी जिज्ञासा और सरलता का उपयोग करके बेहतर भविष्य का मार्गदर्शन कर रहे हैं। नये विश्व के निर्माण में बौद्धिक सम्पदा की प्रभावी भूमिका है।

तकनीकी विकास एवं आर्थिक प्रतिस्पर्धा के दौर में बौद्धिक सम्पदाओं को संरक्षित करते हुए बौद्धिक सम्पदाओं के रचनाकारों एवं मौलिक सृजनकर्ता के अधिकारों की रक्षा करना ही इस दिवस का ध्येय है और इसी में इस दिवस की सार्थकता है।

स्मृति शेष : श्रीनिवास रामानुजन

गणित के अनंत दीप की अमर धरोहर

रामानुजन की प्रतिभा तब विश्व के सामने आई, जब उन्होंने 1913 में कैम्ब्रिज के प्रख्यात गणितज्ञ जी.एच. हार्डी को पत्र लिखा। उस पत्र में दर्जनों सूत्र थे, जिन्हें देख हार्डी स्तब्ध रह गए। पहले तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ कि कोई स्वशिक्षित भारतीय इतने गहन और मौलिक सूत्र लिख सकता है।

■ प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

जब संख्याएं गूंज उठती हैं और समीकरण आत्मा के साथ नृत्य करते हैं, तब एक नाम सृष्टि के कण-कण में बस जाता है– श्रीनिवास रामानुजन। 26 अप्रैल, 1920, वह काला दिन जब भारत की धरती ने अपने इस अनमोल रत्न को खो दिया, पर उनकी गणितीय चेतना ने अनंत काल के लिए विश्व को रोशन कर दिया। यह पुण्यतिथि नहीं, एक महान तपस्वी की साधना का उत्सव है, जिसने गणित को न केवल विज्ञान, बल्कि काव्य, दर्शन और ईश्वर से जोड़ दिया। रामानुजन कोई साधारण गणितज्ञ नहीं थे; वे थे संख्याओं के संत, सूत्रों के साधक, और ब्रह्मांड के रहस्यों के द्रष्टा। तमिलनाडु के छोटे से शहर इरोड में 22 दिसंबर, 1887 को जन्मे रामानुजन का जीवन किसी परीकथा से कम नहीं। एक साधारण ब्राह्मण परिवार, आर्थिक तंगी और औपचारिक शिक्षा का अभाव– ये सब उनके सामने दीवारें थीं, पर उनकी प्रतिभा ऐसी तूफानी लहर थी जो हर बाधा को चूर कर देती थी। बचपन से ही संख्याएं उनकी सखी थीं, उनके सपने थीं। जहां बच्चे मिट्टी के खिलौनों में खोए रहते, वहीं रामानुजन संख्याओं के जादुई संसार में गोते लगाते। स्कूल की किताबें उनके लिए छोटी पड़ गईं; उन्होंने स्वयं गणित के गहन समुद्र में डुबकी लगाई। 15 वर्ष की उम्र में जब उनके हाथ जी.एस. कार की 'ए सिनॉप्सिस ऑफ एलिमेंट्री रिजल्ट्स इन प्योर मैथमैटिक्स' लगी, तो यह उनके लिए किसी वेद की तरह थी। इस किताब ने उनकी प्रतिभा को पंख दिए और उनकी नोटबुक्स में सूत्रों का अमृत उमड़ने लगा।

रामानुजन का गणित केवल गणनाओं का खेल नहीं था; वह एक आध्यात्मिक यात्रा थी। उनकी कुलदेवी नमगिरी उनके लिए प्रेरणा की स्रोत थीं। वे कहते थे, 'हर सूत्र जो मेरे मन में आता है, वह देवी की कृपा है।' उनके लिए गणित और ईश्वर एक ही सत्य के दो रूप थे। उनकी रचनाएं– चाहे वह अनंत शृंखलाएं हों, निरंतर भिन्न हों, या विभाजन फलन – मानो ब्रह्मांड की गूढ़ भाषा में लिखी गई कविताएं थीं। उनकी पाई (श्र) की गणना के लिए दी गई शृंखलाएं इतनी सुंदर और सटीक थीं कि आज भी सुपरकंप्यूटर उनकी मदद लेते हैं। रामानुजन का विभाजन फलन, जो यह बताता है कि किसी संख्या को कितने तरीकों से छोटी संख्याओं के योग के रूप में लिखा जा सकता है, गणित में क्रांति ला गया। उनके थीटा फलन और मॉड्यूलर समीकरणों ने आधुनिक भौतिकी, क्रिप्टोग्राफी, और ब्लैक होल सिद्धांत तक में अपनी जगह बनाई।

रामानुजन की प्रतिभा तब विश्व के सामने आई, जब उन्होंने 1913 में कैम्ब्रिज के प्रख्यात गणितज्ञ जी.एच. हार्डी को पत्र लिखा। उस पत्र में दर्जनों सूत्र थे, जिन्हें देख हार्डी स्तब्ध रह गए। पहले तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ कि कोई स्वशिक्षित भारतीय इतने गहन और मौलिक सूत्र लिख सकता है। हार्डी ने कहा, 'रामानुजन का गणित मानव मस्तिष्क से परे है; यह ईश्वर की प्रेरणा है।' रामानुजन को कैम्ब्रिज बुलाया गया, और वहां हार्डी के साथ उनकी जोड़ी ने गणित की दुनिया में तहलका मचा दिया। हार्डी-रामानुजन फॉर्मूला, जो प्राइम नंबर्स की गणना से संबंधित है, और उनकी संयुक्त शोध पत्रिकाएं आज भी गणित के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज हैं। रामानुजन की नोटबुक्स उनकी सबसे बड़ी विरासत हैं। इनमें हजारों सूत्र और प्रमेय हैं, जिनमें से कई को समझने में गणितज्ञों को दशकों लग गए। उनकी मॉक थीटा फलन, जिन्हें उन्होंने मृत्युशैया पर लिखा, गणित का एक ऐसा रहस्य है जिसे 21वीं सदी में पूरी तरह समझा गया। ये फलन आज क्वांटम भौतिकी और स्ट्रिंग सिद्धांत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी रीमान जेटा फलन से संबंधित खोजें आज भी गणित के सबसे बड़े अनसुलझे सवालों में से एक, रीमान हाइपोथेसिस, को समझने में मदद करती हैं।

कैम्ब्रिज में उन्हें न केवल सांस्कृतिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा, बल्कि उनकी शाकाहारी जीवनशैली और इंग्लैंड की ठंडी जलवायु ने उनके स्वास्थ्य को भी प्रभावित किया। वर्ष 1917 में उन्हें टीबी का पता चला, और 1919 में जब वे भारत लौटे, उनकी हालत और बिगड़ गई। 32 वर्ष की अल्पायु में, 26 अप्रैल, 1920 को कुंभकोणम में उनका नश्वर शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी नोटबुक्स ने गणितज्ञों को नई दिशाएं दीं। 1976 में उनकी एक खोई हुई नोटबुक, जिसे 'लॉस्ट नोटबुक' कहा जाता है, की खोज ने गणित की दुनिया में सनसनी मचा दी। भारत में उनकी जन्मशती पर 1987 में 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित वर्ष घोषित किया गया। उनकी नोटबुक्स का अध्ययन आज भी विश्व के शीर्ष गणित संस्थानों में होता है। उनकी जीवनी पर आधारित किताबें, जैसे रॉबर्ट कैनिगल की 'द मैन हू न्यू इन्फिनिटी', और उस पर बनी फिल्म ने उनकी कहानी को विश्वभर में पहुंचाया।

रामानुजन का जीवन हमें सिखाता है कि प्रतिभा किसी डिग्री, धन या संसाधनों की मोहताज नहीं। वे हमें सिखाते हैं कि यदि विश्वास और समर्पण हो, तो एक साधारण इंसान भी असाधारण बन सकता है। उनकी गणितीय खोजें न केवल विज्ञान की उन्नति में योगदान देती हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि मानव मस्तिष्क की कोई सीमा नहीं।

(साभार :)

एक ही सूत्र- सकारात्मक विचार रखें

हम अपनी जिंदगी में क्या चुनें?

■ जोसेफ मर्फी

मेरे एक रिश्तेदार ने एक महिला भविष्यवक्ता से अपना भविष्य पूछा। भविष्यवक्ता ने उससे कहा, 'तुम्हारा दिल बहुत कमजोर है, और अगली अमावस्या को तुम मर जाओगे।' वह स्तब्ध रह गया ! उसने अपने परिजन को यह भविष्यवाणी बताई। उसने अपने वकील से मिलकर अपनी वसीयत ठीक करवा ली। जब मैंने उसे उसके विश्वास से डिगाने की कोशिश की, तो उसने कहा, 'उस भविष्यवक्ता में अद्भुत पारलौकिक शक्तियां हैं। वह लोगों का बहुत भला या बुरा कर सकती है।' उसे भविष्यवाणी की सत्यता पर पूर्ण विश्वास था। जैसे-जैसे अमावस्या नजदीक आई, वह खोया-खोया रहने लगा। एक महीने पहले वह व्यक्ति खुश, स्वस्थ, उत्साही और जोशीला था। अब वह बीमार दिखने लगा।अमावस्या के दिन उसे गंभीर हार्ट अटैक आया, और वह मर गया। उसे नहीं पता था कि उसकी मृत्यु का कारण वह स्वयं था। हममें से कितनों ने ऐसी कहानियां सुनी हैं। सच है कि यह दुनिया रहस्यमयी, अनियंत्रित शक्तियों से भरी है, लेकिन अनियंत्रित नहीं है।मेरे रिश्तेदार ने स्वयं अपनी जान ले ली, क्योंकि उसने शक्तिशाली नकारात्मक सुझाव को अपने अवचेतन मन में प्रवेश करने दिया। उसे भविष्यवक्ता की शक्तियों पर भरोसा था। उसने उसकी भविष्यवाणी को सच माना। अवचेतन मन की कार्यप्रणाली के आधार पर इस घटना को समझें।व्यक्ति का चेतन या तार्किक मस्तिष्क जिस बात पर यकीन करता है, उसका अवचेतन मन उसे स्वीकार कर लेता है और उसके अनुसार कार्य करता है। मेरा रिश्तेदार जब भविष्यवक्ता के पास गया, तो वह सुझाव ग्रहण करने की मनोदशा में था। भविष्यवक्ता ने उसे नकारात्मक सुझाव दिया, जिससे वह दहशत में आ गया। उसे पूर्ण विश्वास था कि अमावस्या के दिन वह मर जाएगा। मृत्यु के प्रति भय को अवचेतन मन ने सत्य मान लिया और उसकी मृत्यु को वास्तविकता में बदल दिया। जिस भविष्यवक्ता ने उसकी मृत्यु की भविष्यवाणी की, उसकी शक्ति मैदान के पत्थरों और लकड़ियों से अधिक नहीं थी।

उसके सुझाव में जान लेने की शक्ति नहीं थी।

यदि वहमन के नियमों को जानता, तो वह इस नकारात्मक सुझाव को पूर्णतः अस्वीकार कर देता और भविष्यवक्ता के शब्दों पर तनिक भी ध्यान नहीं देता। यदि उसे पता होता कि वह अपने विचारों और भावनाओं द्वारा नियंत्रित होता है, तो वह जीवित रह सकता था। तब भविष्यवक्ता की भविष्यवाणी बख्तरबंद टैंक पर फेंकी गई रबर की गेंद जैसी होती। वह आसानी से उस सुझाव को नकार सकता था और उसे हवा में उड़ा सकता था, जिससे उसे कोई हानि न होती। परंतु, जागरूकता और समझ की कमी के कारण उसने अपनी मृत्यु को स्वयं आमंत्रित किया। दूसरों के सुझावों में स्वयं कोई शक्ति नहीं होती। आप अपने विचारों द्वारा उन्हें शक्ति प्रदान करते हैं। आपको अपनी मानसिक सहमति देनी होती है। आपको उस विचार को स्वीकार करना होता है। तभी वह विचार आपका बनता है, और आपका अवचेतन मन उसे साकार करने के लिए कार्य करता है। याद रखें, आपके पास चुनने की शक्ति है। इसलिए जिंदगी चुनें ! प्रेम चुनें ! सेहत चुनें !

सूत्र- सकारात्मक विचार रखें

कभी भी ऐसे शब्दों का प्रयोग न करें, 'मैं इसे कभी नहीं कर सकता' या 'मुझसे शायद कोई काम नहीं होगा।' आपका अवचेतन मन आपकी बात पर विश्वास कर लेता है और यह सुनिश्चित करता है कि आपके पास वह करने के लिए क्षमता नहीं है, जो आप करना चाहते हैं। इसलिए हमेशा खुद पर भरोसे के साथ सकारात्मक विचार रखें।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

विधिक साक्षरता शिविर हुआ आयोजित, छात्र छात्राओं को दी कानूनी जानकारी

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

तहसील विधिक सेवा समिति ने स्थानीय टारगेट कम्प्यूटर अकेडमी में छात्र-छात्राओं के बीच विधिक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक दिवसीय विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया। रुद्राक्ष ह्यूमन वेलफेयर और सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम युवाओं को कानूनी जानकारी प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रथम व्यवहार न्यायाधीश अब्दुल अजहर अंसारी ने संविधान के मूलभूत अधिकारों और विभिन्न प्रासंगिक कानूनों पर विस्तृत रूप से चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग और जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव के निषेध, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण, दहेज निषेध, यातायात नियमों और साइबर अपराधों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त, उन्होंने दैनिक जीवन में

उपयोगी कानूनी प्रावधानों, मुफ्त कानूनी सहायता की उपलब्धता और सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

वक्ताओं ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की तस्करी और वाणिज्यिक यौन शोषण पीड़ितों के लिए विधिक सेवाएँ योजना, 2015 और बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएँ तथा उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएँ योजना, 2015 जैसी विशिष्ट योजनाओं पर भी जोर दिया, जिनका उद्देश्य कमजोर वर्गों को कानूनी सहायता और सुरक्षा प्रदान करना है।

इस ज्ञानवर्धक सत्र में अधिवक्ता संजीव अरोरा, पल्लवी श्रीवास्तव व रुद्राक्ष संस्था के देवेंद्र साहू, सत्यार्थी फाउंडेशन के श्रीकांत यादव, अंकित शर्मा और अकेडमी के संचालक संजय विश्वास, नेहा रघुवंशी ,रोहित कुशवाह सहित बड़ी संख्या में छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। छात्रों ने वक्ताओं द्वारा साझा की गई कानूनी जानकारियों में गहरी रुचि दिखाई।

ऑडिट में कर्मचारी की सेवा समाप्त करने के दिए थे निर्देश

अपात्र लिपिक को नियम विरुद्ध लाखों का वेतन, वसूली किससे?

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सरकारी विभाग में कोई कर्मचारी अधिकारी अपात्र होने के बावजूद भी नौकरी पर बना रह सकता है. और सरकारी खजाने से लाखों रुपए का वेतन भी प्राप्त कर सकता है. बशर्ते उसके ऊपर वरिष्ठ अधिकारियों की मेहरबानी हो ! एक ऐसा ही मामला जनपद पंचायत टिमरनी जिला हरदा में दिखाई दे रहा है जहां पदस्थ एक लिपिक को अपात्र होने के कारण सेवा से हटाने के आदेश दिए गए थे लेकिन आज 30 वर्षों बाद भी लिपिक अपने पद पर बना हुआ है और इस दौरान उसने लाखों रुपए वेतन के रूप में प्राप्त भी कर लिए है. जब मामले को लेकर शिकायत हुई तो जनपद पंचायत सीईओ चेतन पाटील द्वारा जनपद पंचायत के ही तीन अधिकारियों की एक जांच कमेटी बना दी गई लेकिन 6 महीने बाद भी जांच कमेटी द्वारा आज तक क्या जांच की गई इसका कोई खुलासा नहीं हो पाया।

नियम विरुद्ध तरीके से हुई नियुक्ति का मामले को लेकर पंचायत विभाग द्वारा न तो गंभीरता दिखाई जा रही है और ना ही वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश का पालन किया जा रहा है.

इस अपात्र कर्मचारी नरवरे की नियुक्ति संबंधी जांच को लेकर

एसडीएम टिमरनी द्वारा भी जनपद पंचायत को जाँच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का आदेश जारी किया गया था लेकिन 6 माह में भी जनपद पंचायत द्वारा एसडीम के आदेश का पालन नहीं किया गया. जनपद पंचायत द्वारा जिन तीन कर्मचारियों की समिति जांच दल के रूप में गठित की गई थी. वह समिति भी हाथ पैर हाथ धरे बैठी हुई है. इससे जाहिर है कि या तो समिति पर ऊपरी दबाव है या फिर समिति खुद इस जाँच को लेकर सांठ गांठ करने के फेर में है.

नरवरे नामक जिस कर्मचारी की नियुक्ति को लेकर ऑडिट में आपत्ति आई थी और ऑडिट अधिकारी द्वारा इस कर्मचारी की सेवा समाप्त करने तथा इस कर्मचारी को अभी तक जितना भी वेतन दिया गया है उस वेतन की वसूली उस अधिकारी से करने के निर्देश भी दिए गए थे जिस अधिकारी के कार्यकाल में इनको वेतन दिया गया था.

वर्ष 1994 में नियुक्त हुए लिपिक नरवरे ने अभी तक लाखों रुपए का वेतन प्राप्त कर लिया है. लेकिन इस वेतन की वसूली के लिए विभाग द्वारा आज तक किसी अधिकारी से वसूली संबंधी कोई भी कार्रवाई की शुरुआत नहीं की गई. जनपद पंचायत टिमरनी में नियम विरुद्ध नियुक्त हुए जिस लिपिक की सेवा समाप्ति करने का निर्देश स्थानीय संपरीक्षा निधि भोपाल द्वारा वर्ष 1994-95 में जनपद पंचायत के हुए ऑडिट के दौरान दिया गया था. लेकिन जेसी नरवरे नामक इस कर्मचारी की सेवा आज दिनांक तक समाप्त नहीं की गई. सितंबर 2024 में इस मामले को लेकर एसडीएम टिमरनी एवं कलेक्टर हरदा को शिकायत की गई.शिकायत को लेकर जनपद सीईओ को निर्देश दिए गए कि इस मामले की जांच करा कर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करें.

जनपद पंचायत द्वारा लेखा अधिकारी अनिल बिल्लौरे, अतिरिक्त परियोजना अधिकारी आशीष यादव तथा बीपीओ आरके शर्मा जनपद पंचायत टिमरनी को जांच दल में शामिल किया गया. लेकिन आज तक इस जांच दल ने मामले को लेकर कोई भी जांच पड़ताल नहीं की !कुल मिलाकर चर्चा यह है कि अपात्र कर्मचारियों को बचाने की कवायद की जा रही है.

अवैध उत्खनन / परिवहन/भण्डारण के विरूद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही , 4 डंपर रेत परिवहन करते पकड़ाए

नर्मदापुरम. कलेक्टर सोनिया मीना से प्राप्त निर्देश के पालन में अवैध उत्खनन / परिवहन/भण्डारण के विरूद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही जारी है। खनिज विभाग द्वारा 25 अप्रैल 2025 को ग्रीन पार्क ढाबा नर्मदापुरम के पास से 04 डम्पर क्रमांक-एमपी04जेडएस2858, डम्पर क्रमांक-एमपी04जव1904, डम्पर क्रमांक-एमपी04ज़क3694 एवं डम्पर क्रमांक-आरजे17जीबी2149 को रेत खनिज के ओव्हरलोड अवैध परिवहन में लिप्त पाये जाने पर जप्त कर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, कार्यालय नर्मदापुरम की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया। उक्त कार्यवाही में श्रीमती नीता कोरी, अनुविभागीय अधिकारी (रा0) नर्मदापुरम, श दिवेश मरकाम, जिला खनिज अधिकारी, देव शंकर

धुर्वे, तहसीलदार नर्मदापुरम, कृष्णकांत सिंह परस्ते, प्र0 खनि निरीक्षक, हेमन्त राज, खनिज सिपाही एवं होमगार्ड बल उपस्थित रहा। उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य व नशा उन्मूलन के संबंध में विधिक जागरूकता शिविर संपन्न

नर्मदापुरम. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विजय कुमार पाठक के नेतृत्व में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम् में मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्य व नशा उन्मूलन के संबंध में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविधालय जिला नर्मदापुरम् के लगभग 50 विद्यार्थी उपस्थित हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश नर्मदापुरम् ने नशे की लत के दुष्परिणाम से अवगत कराते हुए कहा कि नशे की लत के कारण ही व्यक्ति कमजोर होता है और समाज एवं परिवार की मुख्य धारा से कट जाता है। नशा अपराध की जड है, इसलिए युवा पीढी को नशे से दूर रहना चाहिए। जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह ने नशा उन्मूलन योजनाओं एवं नि:शुल्क विधिक सहायता योजना के बारे में जानकारी दीं।

5 दिनी योग प्रशिक्षण सत्र संपन्न

गंजबासौदा। शासकीय कन्या उमाविद्यालय महारानी लक्ष्मीबाई योग कक्ष मे पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का समापन सत्र आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव ने अपने दिनचर्या में योग को जोडने की बात करते हुऐ कहा नियमित योग करो, ताजे और मौसमी फल खाइए,अपने जीवनकाल मे एक पौधा ऐसा लगाऔ जो पेड बन जाऐ। कोई भी कार्य मानव के आत्म बल से बडा नही है,लक्ष्य बनाकर जीवन मे आगे बढो आपको सफल होने से कोई नही रोक सकता। योग आयोग जिला कोषाध्यक्ष योगेश त्रिपाठी ने योग प्रशिक्षण शिविर की महत्ता बताते हुऐ कहा इन शिविरो का लाभ उठाऐ वीडियोज देखकर मन से कोई आसन ध्यान प्राणायाम योगाभ्यास न करे । कुशल योग प्रशिक्षक मौजूद हो तो ही योग करे । योग आयोग विकास खंड अध्यक्ष चंद्र कुमार तारण ने बताया संसार का हर जीव सुबह ऊठकर सबसे पहले योग करता है भगवान श्रीकृष्ण ने भी योग के माध्यम से धर्म हित राष्ट्र हित समाज हित के कार्य करते रहने कि उपदेश दिया। नोडल प्राचार्य शिल्पांजना शर्मा ने शासकीय शिक्षको से हर शनिवार योग वार मनाने व योगाभ्यास मे बच्चो को पारंगत करने का आह्वान किया ताकि बच्चे आगे आकर विकासखंड व शाला का नाम रोशन कर सके। विकास खंड योग प्रभारी सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने सूर्य नमस्कार प्राणायाम योगाभ्यास आसन ध्यान ऊ जाप के लाभ विस्तार से बताते हुऐ भारतीय संस्कृति को सर्वे भवंतु सुखिन:पर चलने वाली विश्व की एक मात्र संस्कृति परंपरा बताया और सभी योगाभ्यासी भाई बहनो से घर घर गांव गांव योग जन जागरण अभियान चलाने की बात कही।

अक्षय तृतीया पर डोलरिया में होगा राजपूत समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन

नर्मदापुरम। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी क्षेत्रीय राजपूत समाज का नौवां सामूहिक विवाह सम्मेलन ग्राम डोलरिया में आयोजित किया गया है। श्री राजपूत समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष नरेश सिंह राजपूत और महामंत्री गजेन्द्र सिंह राजपूत ने बताया कि इस वर्ष 13 जोड़े हैं जिनका परंपरागत सनातनी तरीके से विवाह संपन्न होगा। वर-वधू को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की दृष्टि से पौधारोपण हेतु पौधे उपहार में दिए जाएंगे। इस सम्मेलन में नर्मदापुरम पिपरिया बरेली रायसेन नरसिंहपुर और महाराष्ट्र के अकोला जिले से बड़ी संख्या में राजपूत उपस्थित होते हैं। समाज के इस सम्मेलन में केशव मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल नर्मदापुरम के सौजन्य से नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है।

मोहम्मद कबीर ने दौड़ में गोल्ड, लॉन्ग जंप में सिल्वर मेडल जीता

सिवनी मालवा। संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिता 23 से 26अप्रेल तक इंदौर में आयोजित की गई.जिसमें केंद्रीय विद्यालय आयुध नगर इटारसी के छात्र

मोहम्मद कबीर खान ने 100 मीटर दौड़ 200 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल जीता वही लॉन्ग जंप में सिल्वर मेडल जीतकर विद्यालय एवं नगर का नाम रोशन किया. इस उपलब्धि पर जी एम एके अग्रवाल प्राचार्य मनीष तुली खेल शिक्षिका प्रीति यादव जल संसाधन विभाग स्पोर्ट्स क्लब के बशारत खान महेंद्र उगले हेमंत अजनेरिया मेघा बंसल सतीश मसाने मनोज बाघमार मुन्ना शर्मा उमेश शर्मा वफात खान पंजाब राव तथा आयुध निर्माणी स्पोर्ट्स क्लब के राजेश रघुवंशी रिसपाल सिंह राजपूत योगेश रमीज खान ने बधाई शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

पहलगाम हमले में हुए मृतकों को श्रद्धांजलि

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

गंजबासौदा। गांधी चौक पर कांग्रेस परिवार और समाज सेवी संस्थाओं एवं प्रतिनिधि एवम गणमान्य नागरिकों ने शामिल होकर पहलगाम के हत्याकांड मैं मृतकों को मोमबत्ती जलाकर एवम 2 मिनिट का मोन धारण कर भाव भीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हत्यारों को जल्दी से गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। इस अवसर पर समाजसेवी रवि तिवारी, एके रोहले,सुनील बाबू पिंगले सहित अन्य लोग उपस्थित थे। कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश मिश्रा, नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास, राज कुमार सेन, बीडी शर्मा, समाज सेवी गोपाल शर्मा, सुरेश शर्मा, सतीश पाराशर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सेंट्रल बैंक का 'कृषक संध्या कैंप'

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा सिवनी मालवा द्वारा बीते दिन कृषक संध्या कैंप का आयोजन बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। इस दौरान भोपाल से आए मुख्य अतिथि अंचल प्रमुख तरसेम सिंह ज़ीरा ने अपने उद्बोधन में कहा की मैं स्वयं कृषक परिवार से आता हूँ और किसानों की कठिनाइयों को निकटता से समझता हूँ। अतः मेरे अंचल में किसान भाइयों के समग्र विकास हेतु कृषक संध्या कार्यक्रम पूरे वर्ष भर आयोजित किए जाएंगे। हमारे शाखा प्रबंधक गांव-गांव जाकर किसानों से संवाद करेंगे, उनकी समस्याएं सुनेंगे तथा उन्हें बैंकिंग और कृषि से जुड़ी नवीनतम योजनाओं की जानकारी देकर प्रगति के लिए प्रेरित करेंगे। वही विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय कार्यालय नर्मदापुरम से आए रजत मिश्रा ने किसानों की बैंकिंग से संबंधित समस्याओं को गंभीरता से सुना और त्वरित समाधान करते हुए, डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय अनुशासन के महत्व पर विशेष बल दिया।

इस दौरान मुख्य प्रबंधक, आंचलिक कार्यालय भोपाल के रामाशंकर अग्रणी जिला प्रबंधक आर डी वाघेला डिप्टी डायरेक्टर - कृषि विभाग,कृषि अभियंत्रिकी विभाग के अधिकारीगण, पशुपालन विभाग के अधिकारीगण, कृषि वैज्ञानिक, उद्यानिकी विभाग के उपसंचालक, क्षेत्रीय कार्यालय होशंगाबाद सेन्मुख्य प्रबंधक अजीत झा,वरिष्ठ प्रबंधक सौरव कुमार,शाखा प्रमुख रोहित पटेल, अविनाश कुमार, श्रवण हलवे, विश्वजीत रघुवंशी, आनंद कालाम, सहित क्षेत्र के किसान भाई एवं क्षेत्रीय निवासीगण उपस्थित थे। कृषक संध्या कार्यक्रम में दी गई महत्वपूर्ण जानकारियाँ

मुख्य विषय- केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) खातों का त्वरित नवीनीकरण,पशुपालन से संबंधित केसीसी ऋण सुविधाएं,कृषि आधारित लघु उद्योगों को वित्तीय सहायता,प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ,प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ,पशुपालन विकास योजना,राष्ट्रीय बागवानी मिशन ,कृषि यंत्रीकरण योजना किसानों तक सरकारी योजनाओं की पहुँच,बैंकिंग से जुड़े लेनदेन को सुव्यवस्थित करना,फसल बीमा एवं वित्तीय सुरक्षा,कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग के बारे में किसानों को विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम के समापन पर सिवनी मालवा शाखा के मुख्य प्रबंधक विकास पवार ने सभी गणमान्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मेट्रो एंकर समिति पर कलेक्टर का आदेश भी हुआ बेअसर

भैसादेह एवं शाखा शिवपुर समिति प्रबंधक ने हम्मालों का तीन लाख रुपए का भुगतान रोका

सिवनी मालवा/संतोष सिंह चंदेल ,

सिवनी मालवा में इन दिनों क्षेत्र में समर्थन मूल्य पर हो रही गेहूं तुलाई में समिति प्रबंधक द्वारा हम्मालो का भुगतान नहीं करने एक मामला सामने आया मजबूरन हम्माल पलायन करने की स्थिति में आ गया। पीड़ित हम्मालो ने इस बात की शिकायत का आवेदन कलेक्टर के नाम तहसीलदार को शनिवार सोपा। जिसमें बताया गया की सेवा सहकारी समिति मर्यादित भैसादेह एवं जिला सहकारी बैंक शाखा शिवपुर द्वारा हम्मालों को गैहूं तुलाई

का भुगतान नहीं किया गया। हम्मालो ने बताया की हम सभी 12 मजदूर हिम्माल जिला ललंदा बिहार के

निवासी हैं कि 15 से 20 दिन पूर्व गैहूँ तुलाई के लिये हम्माली कार्य हेतु आये थे। हमारे द्वारा सेवा सहकारी समिति भैंसादेह द्वारा गैहूं खरीदी कार्य मे हमारे द्वारा हम्माली कार्य किया गया जिसकी राशि लगभग 3,00,000 (तीन लाख) रूपये बनी है, जो कि राशि समिति द्वारा हमे अभी तक प्रप्त नहीं हुई है। जिसकी सिकायत पूर्व मे जन सुनवाई में दिनांक 22/04/2025 को नर्मदापुरम् मे की गई थी, जिसमे कलेक्टर महोदय द्वारा तुरन्त हिम्माली की राशि हिम्मालों को प्रदान करने के आदेश दिये गये थे, परन्तु आज तक बैंक के प्रबंधक दिक्षित जी सहायक प्रबंधक अहीरवार एवं समिति प्रबंधक भैसादेह द्वारा हमे कोई भी राशि नहीं दी गई है, हम जब भी इन लोगों से चर्चा करते हैं तो हमको डराया धमकाया जाता है, कहा जाता है कि तुमसे बने वो करो हमारी इच्छा होगी तब हम पैसा देंगे नहीं तो नही देंगे। हम सभी गरीब परीवार के लोग हैं जो अपना जीवन यापन करने के लिये मजदूरी करने आये हैं। एक सप्ताह से हम लोग बिना किसी काम के बैठे हुये हैं, हमारे परिवार मे सादी विवाह एवं अन्य कार्यक्रम है, इसलिए हमे हमारे गाँव जाना बहुत जरूरी है। इस दौरान हम्मालो में दुखहरण प्रसाद, उपेन्दर प्रसाद, कारू प्रसाद, संजय, मुल्ला जी, गुड्डू, डोमन, शंकर, सुलेन्दर, अरूण, साजन, संदीप सहित अन्य लोगों ने शीघ्र ही हम्माली का भुगतान करने की मांग की है।

कन्यादान विवाह के आयोजन को लेकर विधायक ने ली समीक्षा बैठक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत 30 अप्रैल को होने वाले सामूहिक विवाह आयोजन की तैयारियों को लेकर विधायक उमाकांत शर्मा ने शनिवार को समीक्षा की। एसडीएम हर्षल चौधरी के मौजूदगी में हुई बैठक में विधायक शर्मा ने विवाह कार्यक्रम के आयोजक जनपद पंचायत की सीओ तथा नगरीय क्षेत्र में नगरपालिका सीएमओ से

आयोजन की तैयारियों की जानकारी लेते हुए कहा कि आगामी सम्मेलन के लिए तीन सौ से अधिक जोड़ों ने पंजीयन कराया है। इन दिनों भीषण गर्मी का दौर चल रहा है ऐसे में विवाह एवं निकाह के लिए शामिल होने वाले वर वधुओं के साथ उनके परिजनों को असुविधाओ का सामना न करना पड़े। विधायक शर्मा ने विवाह में शामिल होने वाले घराती बारातियों को बैठने एवं शीतल पेयजल के इंतजाम करने के निर्देश दिए। विधायक शर्मा ने कन्यादान सम्मेलन के आयोजन में प्रशासनिक ड्यूटी निभाने वाले अधिकारी कर्मचारियों से आग्रह करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का यह गरीब बेटियों के विवाह का पुण्य का आयोजन है इसे अपना मानकर भव्यता के साथ हम सबको मिलकर संपन्न करना है।

इस दौरान प्रमुख से जनपद सीईओ वंदना शर्मा,स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना सहित नपा के अधिकारी कर्मचारी एवं जनपद पंचायत के सचिवगण मौजूद रहे

एसडीएम ने शराब विक्रेता को दिए सख्त निर्देश

दुकान के बाहर किसी को भी बिठाकर शराब न पिलाएं, वरना सख्त कार्रवाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

हमारे संवाददाता द्वारा बुधवार के अंक में कलेक्टर के निर्देश की उड़ाई जा रही धज्जियां शराब दुकान के बाहर बिठाकर पिलाई जा शराब की खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी इसके बाद लगातार कार्रवाई हो रही है । शनिवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ने सुबह शराब विक्रेता के स्टाफ को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि किसी को भी दुकान के बाहर बैठकर शराब ना पीने दी जाए यदि उल्लंघन किया तो कड़ी करवाई इसके अलावा आसपास के दुकानदारों को भी शराबियों को यहां विदठने की मना की हिदायत दी गई।इसके अलावा शराब विक्रेता को निर्देशित किया है कि दो बाउंसर का इंतजाम करें यहां बैठकर कोई शराब पीता है तो इनको यहां से रवाना करे।ओर साफ सफाई का भी विशेष ध्यान रखें ।इस दौरान नगरपालिका पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू भी मौजूद थे हमारे की खबर के बाद लगातार प्रशासन कलेक्टर के आदेश का पालन करवाने मैं लगा हुआ है।

खबर का असर

ईकेवायसी जरूरी , 96 लापरवाह सेल्समैनो को नोटिस जारी

सिरोंज । विदिशा जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकानो से राशन प्राप्त करने वाले सभी हितग्राहियों को ईकेवायसी कराना जरूरी है। इस कार्य के लिए हरेक उचित मूल्य दुकान पर विशेष प्रबंध सुनिश्चित किए गए है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अनिल तंतुवाय ने बताया कि ईकेवायसी कार्य अभियान के रूप में क्रियान्वित किया जा रहा है इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले 96 सेल्समैनो को अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों के द्वारा शोकॉज नोटिस जारी किए गए है और उन्हें समय सीमा में जबाव प्रस्तुत करने हेतु ताकिद किया गया है। संतोषजनक व समाधानयुक्त जबाव प्राप्त ना होने की स्थिति में सेल्समैनो को हटाने के कार्य भी किए जा रह है। शनिवार को जिन 96 सेल्समैनो को नोटिस जारी किए गए है उनमें विदिशा जनपद पंचायत के 52 तथा ग्यारसपुर जनपद पंचायत क्षेत्र के 44 सेल्समैन शामिल है।

विदिशा जिले में समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन कार्य युद्धगति से

गेंहू उपार्जन में विदिशा जिला मध्यप्रदेश में तीसरे स्थान पर

अब तक पांच लाख 877 मेट्रिक टन की खरीदी हुईउपार्जन केन्द्रो की व्यवस्थाओं का अवलोकन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा समर्थन मूल्य पर विदिशा जिले में गेंहू उपार्जन कार्य युद्धगति से क्रियान्वित किया जा रहा है। जिले में अब तक 5 लाख 877 मेट्रिक टन गेंहू की खरीदी की जा चुकी है जो प्रदेश में तीसरे स्थान पर है। जिला आपूर्ति अधिकारी व उपार्जन के जिला नोडल श्री अनिल तंतुवाय ने बताया कि प्रदेश में पहला स्थान सीहोर और उज्जैन जिले ने हासिल किया है शीघ्र ही विदिशा दूसरे स्थान पर पहुंच जाएगा।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन के कार्य निर्विघ्न रूप से संपादित हो रहे है। स्लॉट बुक करने वाले कृषकबंधुओं को उपार्जन केन्द्रो पर तमाम बुनियादी सुविधाओं की पूर्ति विशेष तौर पर सुनिश्चित कराई जा रही है। कलेक्टर श्री गुप्ता की पहल पर प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तैनात शासकीय अधिकारी, कर्मचारी के अलावा अन्य अशासकीय अमले की जानकारी उपार्जन केन्द्रो पर प्रदर्शित की जा रही है वहीं उपार्जन

केन्द्र पर कार्यो को क्रियान्वित करने वालो को परिचय पत्र, आईडी कार्ड गले में अनिवार्य रूप से लटकाने के दायित्वों का निर्वहन किया जा रहा है ताकि आंगतुक किसानो को किसी उपार्जन केन्द्र पर कोई भी असुविधा होती है तो यह असुविधा किसके द्वारा की गई है कि जानकारी परिचय पत्र के माध्यम से किसान बंधु सुगमता से जान सकेंगे और उल्लेखित व्यक्ति की लापरवाही से वरिष्ठो को अवगत करा सकेंगे।

जिला आपूर्ति अधिकारी अनिल तंतुवाय ने बताया कि विदिशा जिले में समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए कुल 190 उपार्जन केन्द्र बनाए गए है जिसमें से 184 केन्द्रो पर उपार्जन कार्य जारी है जिले के 80189 कृषकों के द्वारा पंजीयन कराया गया है। शनिवार तक 59527 किसानो के द्वारा स्लॉट बुक की जा चुकी है। शनिवार को 10593 मेट्रिक टन गेंहू की खरीदी की गई है जबकि अब तक जिले में 5 लाख 877 मेट्रिक टन गेंहू 48076 किसानो से समर्थन मूल्य पर खरीदा जा चुका है।

समर्थन मूल्य पर गेंहू विक्रय करने वाले किसानो को भुगतान की व्यवस्था पर विशेष तौर पर निगरानी रखी जा रही है ताकि संबंधित कृषकों को विक्रय के उपरांत एक या दो दिन में उनके बैंक खातो में राशि सीधे हस्तांतरित हो सके। जिले में अब तक भुगतान योग्य 1289.52 करोड में से 922.92 करोड रूपए का भुगतान किया जा चुका है शेष भुगतान की राशि के ईपीओ जनरेट किए जा चुके है।

व्यवस्थाओं का अवलोकन

जिले में जारी समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन कार्यो का सतत निरीक्षण करने के निर्देश कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के द्वारा जिला व विकासखण्ड अधिकारियों को दिए गए है। उन्होंने उपार्जन केन्द्रो के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों को कार्य क्षेत्रो के उपार्जन केन्द्रो पर उपस्थित होकर व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन में कहीं कोई दिक्कत ना आ पाए को सुनिश्चित कराने की प्रक्रिया क्रियान्वित रखें। अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने शनिवार को ग्यारसपुर तहसील क्षेत्र के उपार्जन केन्द्रो में किए गए प्रबंधो का अवलोकन कर जायजा लिया है। उन्होंने उपार्जन केन्द्र और अन्नपूर्णा वेयर हाउस, अटारी खेजडा के एमएसडी वेयर हाउस, और संस्कार वेयर हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गेंहू में नमी मापक यंत्रो की कार्यप्रणाली, तौल कांटा, वारदानो की उपलब्धता, स्लॉट बुकिंग और अब तक उपार्जित गेंहू की मात्रा, परिवहन और किसानो को किए गए भुगतान के संबंध में विभागीय अधिकारियों से जानकारियां प्राप्त की है। इस दौरान ग्यारसपुर एसडीएम मनोज कुमार उपाध्याय, जिला आपूर्ति अधिकारी अनिल तंतुवाय, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक केएस खपेडिया, जिला विपणन अधिकारी कल्याण सिंह ठाकुर, तहसीलदार सौरभ मालवीय मौजूद रहे।

प्रस्तावित गौ-अभ्यारण हेतु अफसरों ने किया स्थान का निरीक्षण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले में गौ अभ्यारण्य बनाए जाने के लिए आवश्यक जमीन के साथ साथ अन्य प्रमुख व वैकल्पिक व्यवस्थाओं की पूर्ति के लिए हर स्तर पर तैयारियां पूर्णतः की ओर अग्रसर हो रही है।

गौरतलब हो कि जिले में गौ वंश खुले में विचरण ना करें, सड़कों पर शीतकालीन दिवसों में विशेष प्रबंध सुनिश्चित हो सकें इसके लिए विशेष पहल की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा लटेरी तहसील क्षेत्र में आवश्यक भूमि का चिन्हांकन किया जा चुका है। लटेरी के ग्राम कोलुआ पठार में प्रस्तावित गौअभ्यरण का स्थल निरीक्षण लोक निर्माण विभाग,ग्रामीण यांत्रिकी विभाग,राजस्व विभाग व स्थानीय निवासियों के साथ पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के उप संचालक ने संयुक्त रूप से किया है। उन्होंने बताया कि कुल 69 हेक्टेयर भूमि का चिन्हांकन किया गया जिसमें दो हेक्टेयर भूमि आवास के लिए आरक्षित की जाएगी। गौ अभ्यारण्य बनाए जाने की तमाम प्रक्रिया पूरी कर प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जाएगा।

बिना अनुमति के नलकूप खनन करने पर बोरिंग मशीन जप्त

सिरोंज । कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने जिले के जल अभाव घोषित करने का आदेश जारी कर दिया है। उक्त आदेश के तहत नवीन नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगाया गया है विशेष परिस्थितियों और आवश्यकताओं पर नलकूप खनन से पहले संबंधित क्षेत्र के विहित प्राधिकारी एसडीएम से लिखित अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य है।

कलेक्टर श्री गुप्ता के द्वारा जारी आदेश के परिपालन में जिले में चहुंओर नजर रखी जा रही है। बासौदा एसडीएम श्री विजय राय ने बताया कि बासौदा के समीप काली पठार पर बोरिंग मशीन चल रही है कि जानकारी प्राप्त होने पर अविलम्ब मौके पर पटवारी को भेजकर जांच कराई गई और पंचनामा तैयार कराया गया है। काली पठार में बोरिंग मशीन क्रमांक टीएन 54एफ-0245 को स्थल पर बोर करते पाए जाने पर बोरिंग मशीन को जप्त कर बासौदा तहसील कार्यालय परिसर में रखवाने की कार्यवाही की गई हैं वहीं बासौदा शहर थाना प्रभारी को पत्र प्रेषित कर एफआईआर दर्ज कराने हेतु एसडीएम के द्वारा पत्राचार किया गया है और दो दिवस में कार्यवाही पूर्ण कर अनुविभागीय राजस्व अधिकारी बासौदा को जानकारी उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है। गौरतलब हो कि जारी आदेश का उल्लंघन कर नलकूप खनन करते पाए जाने पर मध्यप्रदेश पेयजल परीक्षण अधिनियम की धाराओ के तहत प्रथम अपराध के लिए पांच हजार रूपए और तत्पश्चात प्रत्येक अपराध के लिए दस हजार रूपए जुर्माना या दो वर्ष तक का कारावास दण्डनीय होगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लोगों ने तालाब में किया श्रमदान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शनिवार को स्थानीय तालाब ने श्रमदान किया गया। प्रशासन के आला अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से सभी ने करीब दो घंटे तक परिणाम कर तलब में बिखरे कचरे को साफ किया। इस दौरान एसडीएम स्वयं भी गंदगी को साफ करते हुए दिखाई दिए। इसके उपरांत स्थानीय बस स्टैंड परिसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के लिए नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जन जागरण कर रही कलाकारों की टीम के साथ पानी को बचाने एवं प्राचीन जल स्त्रोतों के संरक्षण की शपथ भी ली। इस दौरान एसडीएम हर्षल चौधरी ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देश एवं स्थानीय विधायक उमाकांत शर्मा के मार्गदर्शन में हमने सिरोंज के प्राचीन बावड़ियों,तालाबों को जीर्णोद्धार कर भू जल स्तर को सुधारने की कार्य योजना बनाई है। इसी श्रृंखला में आज तालाब प्रांगड़

में हमने स्वच्छता अभियान चलाया है जो निरंतर चलत रहेगा। हमारा प्रयास हे कि यह तालाब परिसर सुरक्षित होकर एक सुंदर प्राकृतिक वातावरण देने वाला स्थान बने। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नपाध्यक्ष मनमोहन साहू,स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना सहित जनप्रतिनिधि, जागरूक नागरिकगण एवं स्वच्छता कर्मचारी मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर भीषण गर्मी में प्यास की वजह से किसी बेजुवान की जान बचाने सकोरे में नरलह रखने की पहल

परिंदों की सुध: पेड़ पर रखे सकोरे, शहर में निशुल्क सकोरे का वितरण

तेंदूखेडा, दोपहर मेट्रो

इस भीषण गर्मी में प्यास की वजह से किसी बेजुवान की जान न जाए इसके लिए घर की छत, आंगन, पेड़ व छायादार स्थान पर सकोरे या बर्तन में पानी रखने की पहल नगर के समाजसेवियों ने सोमवार से शुरू की है। स्वयं के घर, कार्यालय एवं जंगलों में पक्षियों के लिए पानी रखने के साथ ही दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी पहल के तहत नगर के व्यवयासी हरीश तिवारी सागर दुबे सोनू , नरेश केवट, खुशी तिवारी, शिवम तिवारी, व उनके परिवार द्वारा कॉलोनीयो,जगलों में पक्षियों के पानी पीने की व्यवस्था बनाई गई। इस दौरान हरीश तिवारी व उनके परिवार के सदस्यों ने खकरिया के जंगलों में अलग-अलग सकोरे रखकर उसमें पानी भरा। साथ ही उन्होने कॉलोनी में निवास करने वाले अन्य परिवारों को भी इसके लिए

प्रेरित करने का काम प्रारंभ किया है। श्री तिवारी ने बताया कि इस भीषण गर्मी में जल स्त्रोतों के सूखने की वजह से पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता है और न ही भोजन की ही व्यवस्था हो पाती है। पक्षी अकारण ही काल की गाल में समा जाते हैं। परिवार एवं पारिवारिक सदस्यों द्वारा जहां पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था बनाई है। इसके लिए प्रथम चरण में लगभग 200 सकोरे हम लोगों द्वारा लिए गए हैं जिन्हें हम नगर के लोगों को फ्री उपलब्ध करा रहे हैं उन्होंने नगर वासियों से अपील भी की है कि इसके लिए हम लोगों से संपर्क कर घर-घर सकोरे रखें यह निशुल्क दिए जा रहे घर में एवं जंगल में लगे पेड़ों पर रखे सकोरे, निशुल्कः कर रहे प्रदान पक्षी मित्र अभियान में अब जनप्रतिनिधि भी जुड़कर लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। अनेक लोगों द्वारा घर पर सकोरे रखे हैं। उन्होने कहा कि हर वर्ग को पक्षियों के लिए आगे आना चाहिए। सकोरे रखकर हर वर्ष गर्मी में पक्षियों को पानी न मिलने की वजह से होनी वाली मौत से बचा सकते हैं। इसके अलावा अभियान चलाकर लोगों के घरों पर सकोरे रखे जा रहे है। अब तक पेड़ों पर एवं घरों के बाहर दहलान में 100 से ज्यादा सकोरे रखाए जा चुके हैं। जिसमै प्रतिदिन निरंतर पानी की व्यवस्था भी की जा रही है इसमें उनके परिवार के बच्चे भी शामिल हैं जो सहयोग कर रहे हैं क्या कहते हैं लोग हरीश तिवारी कहते हैं कि गर्मियों में पक्षियों को पानी रखने को एक अच्छा और पुण्य का कार्य मानते हैं।

त्रिकोणीय सीरीज आज से : भारतीय महिलाओं का पहला मुकाबला श्रीलंका से

भारतीय टीम का दारोमदार काशवी गौतम समेत युवा खिलाड़ियों पर

कोलंबो, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार से श्रीलंका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। पहले मैच में उसका सामना मेजबान श्रीलंका से होगा। इस सीरीज की तीसरी टीम दक्षिण अफ्रीका है। हरमनप्रीत कौर टीम इंडिया की कमान संभालेंगी। यह त्रिकोणीय सीरीज 27 अप्रैल को शुरू होगी और 11 मई को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस सीरीज में भारतीय टीम का दारोमदार काशवी गौतम समेत युवा खिलाड़ियों पर होगा।

भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के जरिए साल के आखिर में घरेलू धरती पर होने वाले महिला वनडे विश्व कप की तैयारी भी शुरू करेगी। भारत का बल्लेबाजी विभाग अच्छा नजर आता है, लेकिन उसे एक अदद गेंदबाजी संयोजन तैयार करने की जरूरत है। भारत की पूर्व अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप विजेता काशवी ने महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जाएंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 6.45 की इकॉनमी रेट से नौ मैचों में 11 विकेट लिए।

तितास साधु, रेणुका सिंह और पूजा वस्त्राकर के चोटों के कारण बाहर हो जाने से भारतीय तेज गेंदबाजी अरुंधति रेड्डी पर निर्भर है, जबकि ऑलराउंडर अमनजोत कौर टीम में एकमात्र अन्य मध्यम गति की गेंदबाज हैं। प्रेमदासा स्टेडियम में धीमी गति के गेंदबाजों का हमेशा बोलबाला रहा है। ऐसे में सीनियर ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा के साथ-साथ मुंबई इंडियंस के बाएं हाथ के स्पिनर श्री चरणी के 50 में से 30 ओवर फेंकने की उम्मीद है। जरूरत पड़ने पर हरमनप्रीत भी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी कर सकती हैं।

भारतीय टीम के हौसले हैं बुलंद

भारतीय टीम में त्रिकोणीय सीरीज से पहले वेस्टइंडीज और आयरलैंड को तीन तीन वनडे मैच में हराया था और वह जीत का यह सिलसिला जारी रखने की कोशिश करेगी। शेफाली वर्मा को एक बार फिर से नजरअंदाज कर दिया गया है, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत, उप कप्तान स्मृति मंधाना, पावर-हिटर ऋचा घोष, जेमिमा रॉड्रिग्स और हरलीन देयोल की मौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी काफी मजबूत नजर आती है। दीप्ति और अमनजोत भी अच्छी बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं।

श्रीलंका की टीम में किए गए हैं कई बदलाव

जहां तक श्रीलंका का सवाल है तो उसकी टीम में कई बदलाव किए गए हैं और उसकी अपेक्षाकृत नई टीम भारत की मजबूत टीम का सामना करेगी। बाएं हाथ की स्पिनर इनोका राणावीरा की टीम में वापसी हुई है। श्रीलंका के पास सुगंधिका कुमारी, इनोशी प्रियदर्शनी और कविशा दिलहारी के रूप में तीन और स्पिनर होंगे जिनकी गेंदबाजी विभाग में भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

डबल राउंड रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा टूर्नामेंट

यह टूर्नामेंट डबल राउंड रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा। भारत अपना पहला मैच 27 अप्रैल को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा। तीनों टीमें चार-चार मैच खेलेंगी और शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। सभी मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे।

भारत की संभावित प्लेइंग-11

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), हरलीन देयोल, जेमिमा रॉड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, काशवी गौतम, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, श्री चरणी/शुचि उपाध्याय।

7 मैच में सिर्फ 48 रन...

4.2 करोड़ की कीमत वाले मैक्सवेल बने पंजाब के लिए सिरदर्द

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। लेकिन इस मुकाबले में ग्लेन मैक्सवेल फिर फ्लॉप रहे। उनके बल्ले से केवल 7 रन निकले और वरुण चक्रवर्ती ने उन्हें अपनी फिरकी में फंसा लिया। इस पूरे आईपीएल में मैक्सवेल का बल्ला खामोश रहा है। उन्हें पंजाब ने 4.2 करोड़ की मोटी रकम दी थी। ताकि उनकी बैटिंग और गेंदबाजी का फायदा टीम को हो। लेकिन मैक्सवेल बल्ले और गेंद दोनों से ही प्रभावहीन रहे हैं। उनका प्रदर्शन लगातार सवालों में है। खासकर स्पिनर्स के सामने मैक्सवेल बुरी तरह से फ्लॉप रहे हैं।

वरुण चक्रवर्ती के सामने फेल हैं मैक्सवेल

इस सीजन मैक्सवेल के लिए सबसे बड़ी चिंता स्पिनर्स हैं। खासकर वरुण चक्रवर्ती के सामने वो बुरी तरह से फेल होते हैं। आईपीएल में वरुण ने मैक्सवेल को 8 मैचों में गेंदबाजी की है। इस दौरान 33 गेंदों का मैक्सवेल ने सामना किया है। उनके बल्ले से केवल 50 रन निकले हैं और वरुण ने इस दौरान उन्हें 5 बार अपना शिकार बनाया है। यानी मैक्सवेल के पास वरुण का कोई जवाब नहीं है। मैच रद्द होने के बाद दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले। इसका फायदा पंजाब की टीम को हुआ जो अब मुंबई को पिछाड़कर चौथे पायदान पर आ गई है। पंजाब की टीम के अब 9 मैच में 11 अंक हो गए हैं। वहीं केकेआर के 9 मैच में अब 7 अंक हैं और वो 7वें पायदान पर है। बता दें कि मुंबई के 9 मैच में से 10 अंक है और अब वो पांचवे पायदान पर है।

प्लेऑफ से बाहर होने पर सीएसके के कोच फ्लेमिंग का बयान

नीलामी में गलतियां हुईं; धोनी बोले- सुधारी जा सकती है एक-दो गलतियां

चेन्नई, एजेंसी

आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है। उसे अब कोई चमत्कार ही अंतिम चार में पहुंचा सकता है। पांच बार की चैंपियन सीएसके की हार से जहां एकतरफ फैंस निराश हैं, वहीं दूसरी तरफ सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने टीम के खराब प्रदर्शन को लेकर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि पिछले साल हुई मेगा नीलामी में उनकी टीम से गलतियां हुईं। वहीं, टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा है कि टीम मैनेजमेंट किसी की एक दो गलतियां सुधार सकता है, लेकिन ज्यादा नहीं सुधार सकता। शुक्रवार को चेन्नई को अपने घर में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। यह टीम की इस सीजन सातवीं और अपने घर पर लगातार चौथी हार रही। सीएसके की टीम अंक तालिका में फिलहाल 10वें स्थान पर है।

सही टीम संयोजन तैयार नहीं कर पाए...

फ्लेमिंग ने स्वीकार किया कि शायद मेगा नीलामी में उनकी तरफ से कुछ गलतियां हुई जिसके कारण वह सही टीम संयोजन तैयार नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, हार की मुख्य वजह बता पाना मुश्किल है। हमने जो प्रदर्शन किया है उसे अपनी खेल शैली से मिलाकर विस्तार से विचार कर रहे हैं। साथ ही यह भी देखने की कोशिश कर रहे हैं कि टीम में कितना विकास हो रहा है। हमें अपने रिकॉर्ड पर गर्व है क्योंकि हम लंबे समय तक अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में सफल रहे हैं।

हमने अच्छी टीम का चयन किया था...

फ्लेमिंग ने कहा, अन्य टीम हमसे बेहतर होती गईं और नीलामी ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हम नीलामी में टीम को सही नहीं कर पाए। इसलिए हर चीज की जिम्मेदारी लेनी होगी। नीलामी कोई आसान काम नहीं है। यह मानसिक और शारीरिक रूप से थका देने वाला होता है, लेकिन मेरा अब भी मानना है कि हमने अच्छी टीम का चयन किया था।

एक समय में चार-पांच खिलाड़ी फॉर्म खोएं तो...

वहीं, धोनी ने टीम के लगातार खराब प्रदर्शन पर कहा कि जब एक ही समय में चार-पांच खिलाड़ी फॉर्म खो देते हैं तो टीम के लिए उम्मीद के मुताबिक परिणाम हासिल करना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, इस तरह के टूर्नामेंट में अगर एक या दो क्षेत्रों में कमियों को दूर करना है तो यह अच्छा है, लेकिन जब अधिकांश खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो मुश्किल हो जाती है। ऐसे में आपको बदलाव करने की जरूरत होती है। आप बस चलते नहीं रह सकते। हम पर्याप्त रन नहीं बना पा रहे हैं।

सीएसके ने 15-20 रन कम बनाए...

धोनी ने कहा, मुझे लगता है कि हम लगातार विकेट खोते रहे। एक और बात यह है कि पहली पारी में विकेट थोड़ा बेहतर था और 154 रन उचित स्कोर नहीं था। गेंद बहुत अधिक टर्न नहीं कर रही थी और कुछ भी असामान्य नहीं था। हां, दूसरी पारी में थोड़ी मदद मिली। हमारे स्पिनरों के पास क्वालिटी है और वे सही जगह पर गेंदबाजी कर रहे थे, लेकिन हम 15-20 रन कम बना पाए।

धोनी ने ब्रेविस की सराहना की

धोनी ने 42 रन की उम्दा पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस की भी सराहना की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने काफी अच्छी बल्लेबाजी की और हमें मध्य क्रम में इसकी जरूरत थी। जब स्पिनर आते हैं तो आप या तो अपनी बल्लेबाजी से या सही स्थानों को चुनकर रन बनाते हैं, लेकिन यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम सुधार करना चाहते हैं क्योंकि बीच के ओवर महत्वपूर्ण होते हैं।

आईपीएल में आज दूसरा मैच दिल्ली बनाम बेंगलुरु

जीतने वाली टीम पॉइंट्स टेबल में टॉप पर आ जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2025 में आज डबल हेडर (एक दिन में 2 मैच) खेला जाएगा। दिन का दूसरा मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। दोनों टीमें सीजन में दूसरी बार आमने-सामने होंगी। पिछले मैच में दिल्ली ने बेंगलुरु को 6 विकेट से हराया था। आईपीएल 2025 की पॉइंट्स टेबल में डीसी जहां अपने 8 में से 6 मैच जीतकर 12 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है। वहीं, आरसीबी 9 में से 6 जीतकर 12 अंकों के साथ ही तीसरे स्थान पर है। इस मैच में जो भी टीम जीतेगी, वह गुजरात को पछाड़ते हुए टॉप पर पहुंच जाएगी। वहीं, दिन के पहले मैच में मुंबई इंडियंस का सामना लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। मैच मुंबई के घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा।

हेड टु हेड में बेंगलुरु भारी

हेड टु हेड में दिल्ली पर बेंगलुरु भारी है। दोनों टीमों के बीच आईपीएल में कुल 33 मुकाबले खेले गए हैं। 20 आरसीबी ने जीते जबकि 12 में डीसी को जीत मिली। वहीं, 1 मैच का नजीता नहीं निकल सका।वहीं, अरुण जेटली स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच 10 मुकाबले खेले गए, 6 में ऋष्टक्कऔर 4 में ष्ठष्ट को जीत मिली।

राहुल ने दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए

केएल राहुल दिल्ली के टॉप स्कोरर हैं। राहुल ने पिछले 7 मुकाबलों में 153.99 की स्ट्राइक रेट से 323 रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर अभिषेकहैं। पोरेल के बल्ले से पिछले 10 मैच में 150 की स्ट्राइक रेट से 225 रन निकले हैं। कुलदीप ने पिछले 8 मैच में 12 विकेट झटके हैं।

हेजलवुड आरसीबी के टॉप बॉलर

विराट कोहली टीम के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 9 मैचों में 392 रन बनाए हैं। जोश हेजलवुड आरसीबी के टॉप बॉलर हैं। हेजलवुड ने पिछले 9 मैच में 16 विकेट अपने नाम किए हैं।

पॉसिबल-12 दिल्ली कैपिटल्स

अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार और दुष्मंथा चमीरा, समीर रिजवी।

पिच रिपोर्ट | अरुण जेटली स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए बेहतरीन होगी। यहां आरसीबी में अब तक कुल 91 मुकाबले खेले गए। इसमें से पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 44 मैच तो चेज करने वाली टीम ने 46 मुकाबले जीते। एक मुकाबला बेनतीजा भी रहा। इस स्टेडियम का हाईएस्ट टीम स्कोर 266/7 है, जो पिछले सीजन सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बनाया था।

वेदर कंडीशन | मैच वाले दिन दिल्ली में काफी गर्मी रहेगी। बारिश की बिल्कुल उम्मीद नहीं है। 27 अप्रैल को यहां का तापमान 26 से 42 डिग्री सेल्सियस रहेगा। हवा की रफ्तार 9 किमी प्रति घंटा रहेगी।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

जल्द रिलीज होगा फिल्म का ट्रेलर

आमिर खान की सितारे जमीन पर को मिली सीबीएफसी से मंजूरी

साल 2022 में फिल्म लाल सिंह चड्ढा के फ्लॉप होने के बाद आमिर खान कुछ समय के लिए फिल्मों से दूर हो गए थे। लेकिन फिर उन्होंने अनाउंस किया कि वो अपनी हिट फिल्म तारे जमीन पर का सीक्वल सितारे जमीन पर लेकर आ रहे हैं। उनकी फिल्म पर पिछले काफी समय से कई सारे अपडेट्स आ रहे हैं। अब एक बार फिर आमिर की फिल्म पर एक नई अपडेट आई है। जिसे सुनकर उनके फैंस काफी खुशी महसूस कर सकते हैं।

सितारे जमीन पर को मिली सेंसर बोर्ड से मंजूरी, जल्द आएगा ट्रेलर- आमिर की सितारे जमीन पर को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। खबर है कि फिल्म के ट्रेलर को सेंसर बोर्ड की तरफ से मंजूरी मिल चुकी है। सेंसर बोर्ड की लिस्टिंग के मुताबिक, सितारे जमीन पर के ट्रेलर को यूए 13+ रेटिंग मिली है। जिसके बाद इसके ट्रेलर को 13 साल से कम उम्र के बच्चे नहीं देख सकते हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि फिल्म का ट्रेलर 3 मिनट 29 सेकेंड लंबा हो सकता है। आमिर फिल्म के ट्रेलर को अजय देवगन की आने वाली फिल्म रेड 2 के दौरान थिएटर्स में रिलीज कर सकते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर खान अपनी फिल्म को पहले 30 मई के दिन रिलीज करने वाले थे। लेकिन फिर उन्होंने इसे बदलकर 20 जून कर दिया। ताकि उनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बिना किसी बड़ी फिल्म से क्लैश हुए अच्छी और लंबी चल सके। साल 2016 के बाद, आमिर को अपनी एक बड़ी सुपरहिट फिल्म का इंतजार है। फैंस को उम्मीद है कि उनकी सितारे जमीन पर अच्छी फिल्म बनकर सामने आ सकती है। उनकी फिल्म को आरएस प्रसन्ना ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में जेनेलिया डिसूजा भी नजर आएंगी।

क्या है आमिर की सितारे जमीन पर की कहानी?

कुछ समय पहले आमिर खान एक इवेंट के दौरान अपनी आने वाली फिल्म पर बात कर रहे थे। उन्होंने उस दौरान उनकी सितारे जमीन पर की कहानी का जिक्र किया था। आमिर ने बताया था कि उनकी फिल्म साल 2007 में आई तारे जमीन पर का सीधे तौर पर सीक्वल नहीं है। लेकिन इसकी थीम वही है। उनकी फिल्म एक स्पेनिश फिल्म चैम्पियन्स का रीमेक है, जिसमें वो एक बहुत बदतमीज बास्केटबॉल कोच की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि पिछली बार उनकी तारे जमीन पर ने फैंस को खूब रुलाया था। लेकिन इस बार उनकी सितारे जमीन पर फैंस को खूब हंसाएगी।

रिश्तों को लेकर श्रुति हासन का खुलासा, बोलीं- मैंने कुछ लोगों को चोट पहुंचाई है

अभिनेत्री श्रुति हासन ने हाल ही में अपने रिश्तों के बारे में खुलकर बात की है। उनका नाम अभिनेता माइकल कॉर्सेल और विजुअल आर्टिस्ट शांतनु हजारिका के साथ जुड़ा। अब अभिनेत्री ने एक बातचीत में साझा किया कि उन्हें किसी चीज का पछतावा नहीं है। पढ़िए अभिनेत्री ने क्या कहा? अभिनेत्री ने फिल्मफेयर के साथ बातचीत की। जब श्रुति से पूछा गया कि क्या ऐसा कुछ है जिसे वह अपने जीवन में फिर से करना चाहेंगी? जिसका उन्हें पछतावा हो। इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा, 'मैंने कुछ लोगों को चोट पहुंचाई है और काश मैंने ऐसा नहीं किया होता। बाकी सब चीजों के लिए मुझे बिल्कुल भी पछतावा नहीं है। मैं सोचती हूं कि ठीक है। मैं एक जोकर थी, कोई बात नहीं। बस कुछ लोग जो मेरे लिए बहुत कीमती थे, मैंने उन्हें गलती से चोट पहुंचाई और अब मैं हमेशा अपना समय इसके लिए माफी मांगने में बिताती हूं।'

रिश्तों को लेकर श्रुति ने क्या कहा?- अभिनेत्री से जब उनके रिश्तों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह अपने रिश्तों से इतनी प्रभावित नहीं होती। अभिनेत्री ने कहा कि यह वर्षों से नहीं बदला है। उन्होंने आगे कहा, 'हम सभी के पास एक खतरनाक एक्स होता है। इसके अलावा मैं बिना किसी पछतावे के उस चैप्टर को बंद कर देती हूं।

बॉक्स ऑफिस पर जमी अक्षय की केसरी 2, पार किया 50 करोड़ रुपए का आंकड़ा

थिएटर्स में इन दिनों बॉलीवुड की फिल्मों का बोलबाला चल रहा है। एक तरफ जहां सनी देओल अपनी जाट से फैंस को इंप्रेस कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ अक्षय कुमार भी काफी लंबे वक्त के बाद थिएटर्स में अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। उनकी फिल्म केसरी चैप्टर 2 को हर तरफ से अच्छे रिव्यूज मिल रहे हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक-ठाक कमाई कर रही है। पहले हफ्ते में केसरी 2 का कलेक्शन अक्षय के स्टारडम के मुकाबले कम रहा।

अक्षय की फिल्म ने पहले वीकेंड पर काफी अच्छी कमाई की थी। केसरी 2 बॉक्स ऑफिस पर अपने पहले वीकेंड 29।62 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन करने में कामयाब हुई थी। लेकिन फिल्म जब कामकाजी वाले दिनों में एंटर हुई, तब इसकी कमाई में उतना इजाफा देखने नहीं मिल पाया, जितनी इसके रिस्पॉन्स से उम्मीद लगाई जा रही थी। मेकर्स ने इस बीच फिल्म की टिकट पर कई सारे ऑफर्स भी ऑडियंस को दिए, लेकिन उससे केसरी 2 की कमाई में ज्यादा फायदा देखने नहीं मिल पाया था।

फिल्म अपने पहले हफ्ते 46।54 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर पाई थी। अब फिल्म अपने दूसरे वीकेंड में एंटर कर चुकी है। क्या अक्षय की फिल्म अपने आठवें दिन 50 करोड़ रुपये का नेट आंकड़ा छू पाई है? ट्रेड रिपोर्ट वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, अक्षय कुमार की केसरी चैप्टर 2 अपने आठवें दिन करीब 4.15 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर पाई है। जिसके बाद आठ दिनों का टोटल कलेक्शन 50।25 करोड़ रुपये हो गया है। हालांकि ये आंकड़े अभी फाइनल नहीं हैं।

केसरी 2 के सामने रेड 2 की चुनौती, क्या बन पाएगी बड़ी हिट?

अक्षय की पिछली फिल्म स्काई फोर्स ने अपने आठवें दिन सिर्फ 3 करोड़ रुपये की कमाई की थी। केसरी चैप्टर 2 की कमाई में सांतवे दिन के मुकाबले करीब 17त्न का इजाफा देखने मिला है। फिल्म की ऑक्यूपेंसी भी करीब 14।90त्न के आसपास रही। दिल्ली और मुंबई में थिएटर्स की ऑक्यूपेंसी 15त्न के आसपास रही। अब अक्षय की फिल्म के सामने अजय देवगन की रेड 2 का स्पीड ब्रेकर आने वाला है। जिससे उम्मीद लगाई जा रही है कि फिल्म की कमाई पर बहुत बड़ा असर पड़ने वाला है। ऐसे में केसरी 2 कितनी बड़ी हिट साबित हो पाएगी, ये देखने वाली बात होगी।

परवलिया और ऐशबाग में दो युवतियों से दुष्कर्म के मामले के सामने आए

घुमाने के बहाने भाई के दोस्त ने कार में किया दुष्कर्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो

परवलिया पुलिस ने 21 साल की युवती की शिकायत पर भाई के दोस्त पर दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी उसे घुमाने के बहाने बगीचा रेस्टोरेंट परवलिया लेकर पहुंचा था, वहां कार में उसने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया तो वह शादी की बात से मुकर गया।

पुलिस के अनुसार मंगलवारा इलाके में रहने वाली 21 साल की युवती प्राइवेट जॉब करती है। उसके भाई का दोस्त हिर्देश प्रजापति नगर निगम के जोन कार्यालय में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी है। पीड़िता हिर्देश को स्कूल के समय से जानती है। दरअसल, पीड़िता का भाई और हिर्देश स्कूल में साथ पढ़ते थे। पहचान होने के कारण दोनों में बातचीत होती थी और दोनो शादी भी करना चाहते थे। पीड़िता का कहना है कि जनवरी 2025

में हिर्देश उसे घुमाने के बहाने कार से परवलिया इलाके के बगीचा रेस्टोरेंट पर ले गया और कार सुनसान इलाके में खड़ी कर दी। वहां शादी का प्रलोभन देकर कार में उसने पीड़िता से शारीरिक संबंध बनाए। अब पीड़िता उसे शादी के लिए कह रही है तो वह शादी करने से मना कर रहा है।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद युवती से रेप

इधर, ऐशबाग पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाली 24 साल की युवती प्राइवेट काम करती है। नवंबर 2024 में उसकी दोस्ती सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर विनय जाटव से हो गई। विनय जाटव अशोका गार्डन इलाके में रहता है। दोनों में चेटिंग और बाद में मोबाइल नंबर का अदान-प्रदान हो गया था। पीड़िता का कहना है कि विनय ने उसे मिलने के लिए ऐशबाग इलाके के एक होटल में लेकर पहुंचा था। वहां उसने जबरन शारीरिक संबंध बनाए। घटना के बाद से युवती ने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया तो आरोपी उसे नए-नए नंबर से कॉल करने लगा और मिलने का दबाव बनाने लगा। युवती ने उसे कई बार समझाइश दी, लेकिन उसकी हरकतें सुधर नहीं रही थी। वह युवती को धमकी दे रहा था कि यदि शादी नहीं की तो कहीं और भी शादी नहीं होने देगा। आरोपी से परेशान होकर उसने ऐशबाग पुलिस को शिकायत की थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

चोरी के वाहन की नंबर प्लेट बदलकर करते थे रैकी, फिर मौका मिलते ही कर देते थे गाड़ी पार

ऑटोचालक ने नाबालिगों को दिया पैसों का लालच, गिरोह बनाकर वाहन चोरी

एक ई-रिक्शा व 5 दोपहिया समेत 6 वाहन बरामद, नाबालिगों को बाल संप्रेक्षण गृह भेजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश कर दो नाबालिग समेत आटो चालक को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पुलिस ने एक ई-रिक्शा और पांच दोपहिया वाहन बरामद किए। बरामद वाहनों की कीमत 7 लाख रुपए बताई गई। मुख्य आरोपी ऑटो चालक है। उसने पैसों को लालच देकर नाबालिगों के साथ मिलकर गिरोह बना लिया। आरोपी चोरी के वाहन की नंबर प्लेट बदलकर रैकी करते थे।

पुलिस के अनुसार नरेला शंकरी अयोध्या नगर निवासी महेन्द्र राजपूत (22) ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 22 अप्रैल की रात करीब 10 बजे घर के बाहर खड़ा ई-रिक्शा को कोई अज्ञात चोर चुराकर ले गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इस दौरान घटनास्थल और आने-जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए गए। साथ ही मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। इस बीच सूचना मिली कि फुटेज में दिखने वाले संदिग्धों के हुलिए से मिलते-जुलते लोग रूपनगर औद्योगिक क्षेत्र में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों संदिग्धों को ई-रिक्शा के साथ दबोच लिया।

ई रिक्शा के साथ पांच अन्य बाइक जब्त

तीनों को पुलिस ई-रिक्शा सहित थाने लेकर पहुंची। पूछताछ में उन्होंने पांच अन्य दोपहिया वाहन चोरी करना स्वीकारा। इनमें से एक वाहन अशोका गार्डन क्षेत्र से चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्त में आए तीनों आरोपियों में से दो नाबालिग हैं, जबकि तीसरे आरोपी का नाम आदर्श राजपूत उर्फ गोलू राजपूत (20) निवासी रूपनगर, अशोका गार्डन, बताया गया। आरोपी आदर्श मूलरूप से ग्राम सलामतपुर जिला रायसेन का है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक ई-रिक्शा, एक एक्टिवा, एक एक्सिस, तीन मोटरसाइकिलें समेत चोरी के कुल 6 वाहन बरामद किए हैं। बरामद वाहनों की कुल कीमत सात लाख रुपए आंकी गई है। नाबालिग आरोपियों में से एक बड़े चंबल ऐशबाग और दूसरा रूप नगर झुग्गीबस्ती का रहने वाला है।

शराब पार्टी के लिए करते थे चोरी

थाना प्रभारी महेश लिल्हारे ने बताया कि मुख्य आरोपी आदर्श राजपूत की शराब के अहाते पर नाबालिगों से दोस्ती हो गई थी। दोस्ती होने पर वे साथ बैठकर शराब पीने लगे। शराब पार्टी के लिए वह आपस में रुपए इकट्ठा करते थे। कई बार किसी सदस्य के पास पैसा नहीं होता था तो दूसरा सदस्य अपनी तरह से पैसा मिला देता था। इससे उस सदस्य पर पैसे का दबाव बन जाता था जो पैसा नहीं मिलाता था। शराब पार्टी व मौज-मस्ती के लिए आरोपियों ने वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देना शुरू कर दिया।

अंधेरा होने पर करते थे चोरी

पुलिस ने बताया कि कई बार मास्टर-चाबी का इस्तेमाल करने पर भी वाहन का ताला नहीं खुलता था। इसलिए आरोपियों ने निर्णय लिया कि वे एकदम नई गाड़िया नहीं चुराएंगे। आरोपियों ने थोड़ी पुरानी गाड़िया चोरी करना शुरू कर दिया। पुरानी गाड़िया का लॉक या तो आसानी से खुल जाता था या फिर आसानी से तोड़ देते थे। आरोपियों ने वाहन चोरी के लिए रात का समय चुना था। रात 8 बजे के बाद बदमाश वाहन चोरी के लिए निकल जाते थे। आरोपी आदर्श ने पुलिस को बताया कि वह मूलरूप से जिला रायसेन का रहने वाला है। उसने वहां कुछ लोगों से चोरी के वाहन बेचने की बात कर रखी थी। लेकिन इससे पहले ही आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

छात्राओं से दुराचार का मामला

जिन कमरों में हुआ था दुष्कर्म, वह सील

साहिल खान को भोपाल लेकर आई पुलिस, सोमवार को करेगी कोर्ट में पेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निजी कॉलेज की छात्राओं से दुष्कर्म और दैहिक शोषण करने वाला मुख्य आरोपी पुलिस रिमांड पर है। पुलिस अब तक मुख्य आरोपी फहरान और शाद को गिरफ्तार कर चुकी है। मुख्य आरोपी फरहान को रिमांड पर लिया गया है। इधर फरार आरोपी साहिल को पन्ना से हिरासत में लिया गया है। उसे भोपाल लेकर पुलिस पहुंच गई थी। आरोपी को पुलिस जल्द ही कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी में है। पुलिस ने उन सभी कमरों को सील कर दिया है, जिन कमरों में आरोपी छात्राओं से दुष्कर्म करते थे और वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करते थे। सवाल इस बात का है कि आरोपियों के पास नशे और अपने खर्चे के लिए पैसा कहां से आता था। अब पुलिस आरोपियों के अकाउंट चेक कर रही है। ताकि पता लगाया जा सके कि उन्हें फंडिंग कहां से हो रही थी।

मोबाइल से वीडियो डीलिट रिकवर कर रही पुलिस- पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल जब्त किए है। मोबाइल से डेटा रिकवर भी कराया जा रहा है। सूत्र बतातें है कि मुख्य आरोपी फरहान के मोबाइल से मिला एक वीडियो मिला है, जिसमें वह दुष्कर्म करते हुए और मारपीट करते हुए नजर आ रहा है। फरहान की क्रूरता की कहानी पीड़िता दर्ज करा चुकी है। वह वीडियो में भी क्रूरता करता हुआ नजर आ रहा है। बताया जाता है कि आरोपी फरहान फंडिंग के लिए सेकंड हैंड कार बेचकर कमीशन लेता था। हालांकि पुलिस उसके फंडिंग के अन्य साधन पता लगा रही है।

फरहान और अली करते थे गांजा उपलब्ध

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि आरोपी नशे के आदी थे और पीड़िताओं को भी वह नशे की लत की तरफ ले जा रहे थे। फरहान और अली गांजा उपलब्ध कराते थे। आरोपी नशे के अलावा पीड़िताओं को फरहान के साथ संबंध बनाने के लिए भी दबाव बनाते थे। साहिल से पूछताछ में पता चला कि वह पन्ना का रहने वाला है। पढ़ाई में मन नहीं लगा तो उसने अशोका गार्डन में डांस क्लास स्टार्ट की। डांस क्लास में केवल हिंदू लड़कियों को एडमिशन दिया। डांस सिखाने के बहाने उनके नजदीकी बढ़ाई। अपना रौब दिखाने वह बाहर से पढ़ने आई छात्राओं को रेस्टोरेंट, हुक्का लाउंज और पब लेकर जाता था। इस दौरान उनकी पारिवारिक स्थिति के जानकारी एकत्रित कर लेता था। आरोपी पार्टी के नाम पर अशोका गार्डन स्थित अपने रूम पर लेकर पहुंचता था। शाजी उर्फ शम्सउद्दीन आरोपियों के लिए लड़कियों को उनके ठिकाने तक पहुंचाने और दुष्कर्म के बाद उन्हें घर तक छोड़ने का काम करता था। शाजी पेशे से मैकेनिक है। वह अप्सरा टॉकीज के पास ऐशबाग में रहता है।

हो सकते हैं और भी खुलासे

मुख्य आरोपी फरहान इस संगठित अपराध का मुखिया है। वह वीडियो वायरल करने की धमकी देकर छात्राओं को ब्लैकमेल कर उनसे शारीरिक संबंध बनाता था। इसी प्रकार साहिल खान पन्ना का रहने वाला है। वह अशोका गार्डन इलाके में डांस क्लास चलाता था। डांस क्लास में हिंदू लड़कियों से एडमिशन देकर उन्हें प्रेम जाल में फंसाकर फहरान तक पहुंचाना उसका काम था। अली खान ने जून 2024 में अशोका गार्डन के एक होटल में कॉलेज की छात्रा से दुष्कर्म किया था। वीडियो बनाकर फरहान को भेजा। जुलाई-2024 में मिलने के बहाने बुलाया। यहां पहले से फरहान मौजूद था। वीडियो वायरल करने का डर दिखाकर फरहान ने दुष्कर्म किया। शाजी उर्फ शम्सउद्दीन-मैकेनिक है और फरहान का दोस्त है। उसका काम लड़कियों को लाना ले जाना रहता था और बदले में वह रुपए लेता था। अबरार- कोलकाता का रहने वाला है। भोपाल पढ़ने आया था, लेकिन पढ़ाई बीच में छोड़कर वापस चला गया। गिरफ्तारी के लिए टीम कोलकाता रवाना हुई है। इसके कमरे में छात्रा से दुष्कर्म हुआ है।

ट्रांसफर के नाम पर ठगी, दो लाख रुपए हाथ लगने पर मोबाइल किया बंद

पीएस का पीए बताकर हेड कांस्टेबल की पत्नी से दो लाख रुपए की ठगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्वास्थ्य विभाग में प्रमुख सचिव का पीए बताकर जालसाज ने हेड कांस्टेबल की पत्नी से दो लाख रुपए ऐंठ लिए। दरअसल, हेड कांस्टेबल की पत्नी उप स्वास्थ्य केंद्र में एनएनएम है। उन्होंने विभाग में तबादले के लिए आवेदन दिया था। जालसाज ने उनका नंबर हासिल किया और उन्हें ट्रांसफर कराने के नाम पर अकाउंट में दो लाख रुपए जमा करा लिए। अकाउंट में पैसा आते ही आरोपी ने अपना मोबाइल नंबर बंद कर लिया। घटना की शिकायत क्राइम ब्रांच थाने में की गई है। क्राइम ब्रांच ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मनीष पटेल (37) अचली, पोस्ट सेमरखापा, जिला मंडला में रहते हैं और डिंडोरी में प्रधान आरक्षक है। उनकी पत्नी राजश्री पटेल उप स्वास्थ्य केंद्र ग्राम चाखला, कम्युनिटी हेल्थ सेंटर तामिया, जिला छिंदवाडा में एएनएम है। राजश्री ने पति को बताया कि 17 मार्च 2025 को उनकी दो मोबाइल नंबरों पर बात हुई। बातचीत के दौरान कॉलर ने अपना नाम हर्ष राजपूत बताया। उसने बताया कि वह स्वास्थ्य विभाग भोपाल में प्रमुख सचिव यादव सर का पीए है। इसके बाद ट्रांसफर के संबंध बातचीत की। वह कहना लगा कि तुम्हारा ट्रांसफर होना है, लेकिन बिना पैसों के कोई काम नहीं तो होता। यदि खर्चा करोगी तो तुम्हारा ट्रांसफर हो जाएगा।

कर चुकी थी पूर्व में ट्रांसफर के लिए आवेदन

राजश्री विभाग में ट्रांसफर की प्रक्रिया नहीं जानती है। उसने गत एक वर्ष विभाग में ट्रांसफर के लिए आवेदन दिए थे, लेकिन ट्रांसफर नहीं हुआ। मोबाइल पर ट्रांसफर के लिए हुई चर्चा के बारे में उन्होंने पति मनीष पटेल को बताया। इधर, कॉलर का कॉल आया और उसने ट्रांसफर के लिए दो लाख रुपए रुपए का खर्च बता दिया। उसने यह भी कहा कि आपके दस्तावेज उसके पास उपलब्ध है। केवल ट्रांसफर के लिए एक आवेदन प्रमुख सचिव स्वास्थ्य विभाग के नाम लिखकर मेरे वाट्सएप पर भेज दो। पत्नी का ट्रांसफर कराने मनीष ने हर्ष राजपूत के खाते और क्यूआर कोड पर कुल दो लाख रुपए ट्रांसफर किए थे। रुपए मिलने के बाद मोबाइल नंबर बंद हो गया। वाट्सएप मैसेज पर भी कोई रिप्लाई नही कर रहा था। मनीष भोपाल पहुंचा और उन लोगो से संपर्क किया जिनके अकाउंट में पैसा ट्रांसफर किया था। इस दौरान पता चला कि पैसा प्रदीप जैन के नंबर पर ट्रांसफर हुआ है। प्रदीप जैन से बातचीत करने वह रेस्टहाउस के पास पहुंचा। प्रदीप जैन से अपने पैसे वापस मांगे, लेकिन वह कहने लगा कि मुझे कोई पैसे नहीं मिले है।

कोलार तिराहा पर वारदात, मैनिट की तरफ भागे झपटमार

कार सवार 3 युवकों ने रेपिडो चालक से झपटा मोबाइल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में मोबाइल झपटने की वारदात थमने का नाम नहीं ले रही है। अभी तक बाइक सवार मोबाइल झपट रहे थे, लेकिन शनिवार सुबह करीब साढ़े 4 बजे कार सवार बदमाशों द्वारा रेपिडो चालक से मोबाइल झपटने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। चूनाभट्टी पुलिस ने झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस के अनुसार गौरब खान पिता गोपाल चंद खान (31) नीलगगन कॉलोनी, नीलबड़ में रहता है। वह कंपनी में नौकरी करता है। साथ ही अतिरिक्त पैसे कमाने रेपिडो बाइक चलाता है। गौरब ने पुलिस को बताया कि शनिवार सुबह करीब चाढ़े 4 बजे वह कोलार तिराहा पर खड़े होकर राइड का इंतजार कर रहा था, तभी एक सफेद कलर की कार उसके पास आकर रुकी। कार में तीन युवक थे। एक युवक ने कार का कांच खोला और उससे पता पूछने लगा। इस दौरान गौरब के हाथ में मोबाइल था। पता पूछते पूछते आरोपी ने गौरब के हाथ से मोबाइल झपट लिया। गौरब कुछ समझ पाता इससे पहले आरोपी मैनिट की तरफ भाग निकले।

कार पर लगी थी पट्टी

थाना प्रभारी भूपेंद्र कोल संधु ने बताया कि गौरब ने घटना की शिकायत तत्काल थाने पहुंचकर की थी। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि कार सवारों ने मोबाइल झपटा और तेजी से भाग निकले। वह अपनी बाइक तक पहुंचकर उनका पीछा करता इससे पहले ही वह काफी दूर तक निकल चुके थे। गौरब ने बताया कि कार की नंबर प्लेट पर पट्टी लगी हुई थी। कार वह ठीक से नहीं देख सका है। कार इंडिका और आई-10 की तरह लग रही है।

मां पिता के साथ एक्टिवा पर जाते समय हुआ हादसा

चाइनीज मांझे से 4 साल की बच्ची की गर्दन कटी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित आरिफ नगर ग्राउंड के पास शुक्रवार शाम कटी पतंग के चायनीज मांझे से चार साल की बच्ची लहूलुहान हो गई। उसे गर्दन में गंभीर चोट आई है। घटना के समय वह अपने मां-पिता के साथ एक्टिवा से जा रही थी। वह एक्टिवा में सामने खड़ी थी, तभी कटी पतंग का मांझा चलती गाड़ी पर उसकी गर्दन से रगड़ खाता हुए निकल गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि पतंग में चाइनीज मांझा बंधा हुआ था। पुलिस के मुताबिक ए-सेक्टर सोनागिरी पिपलानी निवासी आकिब खान (28) रत्नागिरी में कार का वर्कशॉप चलाते हैं। विगत 25 अप्रैल की शाम करीब पौने छह बजे वह अपनी पत्नी मरियम और दो बच्चों, चार साल की सफिया और दो साल के अनम के साथ एक्टिवा से सोनागिरी से करोंद होते हुए व्हीआईपी रोड जा रहे थे। आकिब गाड़ी चला रहे थे जबकि सफिया आगे खड़ी थी। जैसे ही वे लोग आरिफ नगर ब्रिज उतरने के बाद आरिफ नगर ग्राउंड के पास पहुंचे, तभी अचानक कटी पतंग के मांझे से सफिया की गर्दन बुरी तरह से लहूलुहान हो गई।

मेट्रो एंकर | महिला डॉक्टर के साथ धोखाधड़ी करने पर कंपनी के संचालक समेत आधा दर्जन के खिलाफ प्रकरण दर्ज

ऑटो मोबाइल कंपनी ने थमाए 10 लाख के फर्जी चेक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी नगर पुलिस ने एक महिला डॉक्टर की शिकायत पर ऑटो मोबाइल कंपनी के संचालक समेत आधा दर्जन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों ने महिला डॉक्टर से उनके मकान का भूतल व बेसमेंट किराए पर लिया है। उसका करीब साढ़े 10 लाख रुपए किराया शेष है। आरोपियों ने शेष किराया देने के नाम पर फर्जी चेक थमा दिए। बैंक से चेक बाउंस होने के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि एमएलए क्वार्टर जवाहर चौक निवासी डॉ. श्रुति शाह (63) पेशे से चिकित्सक हैं। उनका एक मकान पदमनाभ नगर वार्ड क्रमांम-44 में है। उन्होंने उक्त मकान के भूतल व बेसमेंट गोदाम को चार मई 2022 को प्रेम ऑटो मोबाइल के विनीत कुंज कोलार रोड में रहने वाले विशाल शर्मा को किराए पर दिया था। किराएदारी एक जून से शुरू होकर 30 मई 2027 तक के लिए थी। किराया एक लाख रुपए से शुरू होकर अनुबंध की शर्त के अनुसार एक लाख 33 हजार 403 रुपए तक निर्धारित किया गया था। प्रेम ऑटो मोबाइल्स के एक पार्टनर राजेन्द्र प्रसाद शर्मा भी थे।

लेकिन विशाल शर्मा ने किराएनामे में यह जानकारी जानबूझकर छुपाई। जून 2023 तक विशाल शर्मा और राजेन्द्र शर्मा किराए का भुगतान करते रहे लेकिन उसके बाद किराया देना बंद कर दिया। फरियादिया डॉ. श्रुति शाह ने किराया मांगा तो पता चला कि विशाल शर्मा और राजेन्द्र शर्मा ने उनकी बिना अनुमति के 16 जुलाई 2023 को एक एमओयू निष्पादित कर किराए वाला भाग नीलम खाम्बरा निवासी सागर एवेन्यू अयोध्या बायपास और शिवानी भारद्वाज निवासी दानिश कुंज कोलार रोड को सौंप दिया है और व्यवसायिक गतिविधि संचालन करने के लिए अधिकृत कर दिया। फरियादिया ने जब किरायाधीन भाग खाली करने के लिए कहा तो विशाल शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, नीलम खाम्बरा, सुनील खाम्बरा, शिवानी और आशीष भारद्वाज उनके पास पहुंचे और कहा कि प्रेम ऑटो मोबाइल्स में यह लोग पहले से भागीदार हैं और उन्होंने अवशेष किराए के रूप में दो लाख के चार व एक-एक लाख के दो चेक प्रेम ऑटो मोबाइल्स से जारी किए हुए दिए। चेक भारतीय स्टेट बैंक शाखा एमपी नगर से क्लियर नहीं हुए। बैंक ने कहा कि उक्त खाता बंद हो चुका है और हस्ताक्षर फर्जी हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022